सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 242 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 15 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

राहुल गांधी को एक और मामले में मानहानि का नोटिस, भाजपा की याचिका पर कांग्रेस नेताओं को भी समन

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। साथ ही उसने समन जारी करने का आदेश दिया है।

27 जुलाई तक का समय

निर्वाचित पूर्व और मौजूदा सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों से निपटने के लिए विशेष अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) और 500 (मानहानि के लिए सजा) के तहत अपराधों का संज्ञान लिया है। शपथ पत्र दर्ज कराने के लिए 27 जुलाई तक समय दिया। वहीं, इस संबंध में सभी उत्तरदाताओं को मंगलवार को समन जारी करने का आदेश दिया गया।

यह है मामला

नौ मई को राज्य सचिव एस केशवप्रसाद ने शिकायत दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की छवि खराब करने के लिए विज्ञापन जारी किए। इसमें भाजपा को लेकर झूठे दावे किए गए। शिकायत में कहा गया है कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस साल पांच मई को समाचार पत्रों में विधानसभा चुनाव के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसमें दावा किया गया था कि तत्कालीन भाजपा सरकार 40 प्रतिशत भ्रष्टाचार में लिप्त थी और उसने 1.5 लाख करोड़ रुपये लूट लिए थे। पिछले चार वर्ष आधारहीन थे।

इससे पहले भी फंस चुके हैं राहुल

भाजपा विधायक व गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि राहुल ने अपनी इस टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय का मान घटाया है। वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने 2019 के आम चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में आयोजित जनसभा में इस मामले से जुड़ी टिप्पणी की थी। अदालत ने गांधी को 23 मार्च को दोषी ठहराया था और उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी।

अपनी पूरी रफ्तार से बढ़ रहा है बिपरजॉय तूफान से निपटने के लिए सुरक्षाबल तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के तटों की तरफ बढ़ रहा चक्रवात बिपरजॉय बेहद खतरनाक रूप ले चुका है। आज शाम कच्छ के जखाऊ में जमीन से टकराने की आशंका है। मौसम विभाग ने इससे भारी तबाही की चेतावनी दी है। कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। किसी भी हालात से निपटने के लिए गुजरात और महाराष्ट्र में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की कई टीमें तैनात की गई हैं। सेना भी तैयार है। विंग कमांडर एन मनीष का कहना है कि गुजरात के साथ-साथ कई जगहों पर राहत स्तंभों को तैनात किया गया है।

विंग कमांडर ने कहा कि लोगों में चक्रवात को लेकर डर है। इसलिए जनता को होने वाली परेशानियों को कम करने के लिए सभी सशस्त्र बल जो सेना, नौसेना, वायु सेना और भारतीय तट रक्षकों ने खुद को तैयार किया है। वह स्थानीय लोगों की हर संभव सहायता करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने पूरे गुजरात के साथ-साथ मांडवी और द्वारका के स्थानों पर 27 से अधिक राहत स्तंभों को तैनात किया है। सेना के अधिकारियों ने भी नागरिक प्रशासन के साथ-साथ एनडीआरएफ टीमों के साथ संयुक्त रूप से राहत अभियान शुरू किया है।

आपदा राहत ईंट से लैस चार जहाज तैनात

बेहद खतरनाक चक्रवात बिपरजॉय के गुजरात के तटीय शहरों के पास पहुंचने पर भारतीय सशस्त्र बलों ने लोगों को सुरक्षित बचाने का जिम्मा ले लिया है। इसी क्रम में, भारतीय नौसेना ने मानवीय सहायता और आपदा राहत ईंट से लैस चार जहाजों को तैनात किया, जो सूचना मिलते ही सुरक्षा में जुड़ जाएंगे। इसके अलावा सेना ने पोरबंदर और ओखा में पांच राहत दल, वलसुरा में 15 राहत दल तैनात किए गए। ये अधिकारी लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। वहीं, गोवा में आईएनएस हंसा और मुंबई में आईएनएस शिकरा में तैनात हेलीकॉप्टर गुजरात में तत्काल परिवहन सेवा देने के लिए तैयार रखे गए।

लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

गौरतलब है, गुजरात के राहत आयुक्त आलोक पांडे ने बताया था कि तटीय इलाकों से लोगों को निकालने की प्रक्रिया बुधवार सुबह तक पूरी कर ली गई है। 74,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। आठ तटीय जिलों में कुल 74,345 लोगों को अस्थायी आश्रयों में ले जाया गया। अकेले कच्छ जिले में लगभग 34,300 लोगों को निकाला गया। इसके बाद जामनगर में 10,000, मोरबी में 9,243, राजकोट में 6,089, देवभूमि द्वारका में 5,035, जूनागढ़ में 4,604, पोरबंदर में 3,469 और गिर सोमनाथ जिले में 1,605 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है।

हवा की रफ्तार 125 से 135 किमी प्रतिघंटा

वहीं, मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि चक्रवात बिपरजॉय सौराष्ट्र, कच्छ की तरफ बढ़ रहा है। यह जखाऊ से करीब 180 किमी की दूरी पर है। हवाओं की रफ्तार 125-135 किमी प्रति घंटे रफ्तार से चल रही है। उन्होंने कहा कि यह शाम तक तट पर पहुंचेगा। यह अति गंभीर चक्रवाती तूफान है। इसकी वजह से पेड, छोटे मकान, मिट्टी के घर, टिन के घरों को नुकसान हो सकता है।

राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने कहा- छत्तीसगढ़ में भी मिलेगा 500 में सिलेंडर', घोषणा पत्र में करेंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने कहा कि राजस्थान की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। आने वाले समय में पार्टी इसे अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल करेगी। राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन बुधवार को एक दिवसीय भिलाई दौरे पर पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने सांसद निधि से सुपेला लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के सामने पेवर ब्लॉक लगाने और सीसी रोड के निर्माण का भूमि पूजन किया। इसके बाद कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में भी भाग लिया।

सांसद रंजीत रंजन ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार दोबारा बनती है तो यहां लोगों को भी 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। आने वाले कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र में इसको शामिल किया जाएगा। राजस्थान में गृहणियों को कांग्रेस सरकार 500 रुपये में घरेलू गैस सिलेंडर दे रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना चुनाव होना है और कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में शामिल करेगी और सरकार बनने पर योजना को लागू किया जाएगा।

नीट में रायपुर के सारांश बने छत्तीसगढ़ टॉपर, सफलता के तीन मंत्र भी बताए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नीट के परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ में इस साल 42130 स्टूडेंट्स ने फॉर्म भरे थे। इनमें से 41196 ने परीक्षा दी थी और 17610 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। इनमें रायपुर के सारांश पटेल ने छत्तीसगढ़ में टॉप किया है। सारांश को 690 अंक मिले हैं और ऑल इंडिया रैंकिंग 824 है। पहले ही प्रयास में सफ्लता हासिल करने वाले सारांश ने नए परीक्षार्थियों के लिए तीन मंत्र भी बताए हैं।

सारांश पटेल ने बताया कि कोचिंग के साथ-साथ उनके पिता और बड़े भाई उनकी पढ़ाई में मदद करते थे। उनके पिता रेलवे में इंजीनियर हैं। बड़े भाई सानिध्य एनआईटी के आईटी ब्रांच से इंजीनियरिंग कर रहा है। उनका भाई फिजिक्स केमिस्ट्री जैसे विषयों में सहायता करते थे। सारांश रोजाना आठ से 10 घंटे की पढ़ाई का टारगेट लेकर चलते थे। इस बीच उनकी मां उन्हें पढ़ाई के लिए मोटिवेट करती थी।

सारांश ने सफलता के बताए टिप्स

- जो डॉक्टर बनना चाहते हैं और नीट पास करने की सोचते हैं, उन्हें बोर्ड परीक्षा के साथ-साथ इसकी भी तैयारी करनी चाहिए। दोनों का सिलेबस लगभग समान होता है।
- विषय का रिविजन करना भी अनिवार्य है।
- अधिक से अधिक क्वेश्चन पेपर को सॉल्व करना और मॉक टेस्ट देना जरूरी है।

बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए कर्ज देगी सरकार, रायपुर में कल लोन मेला आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बेरोजगारी भत्ता लेने वाले युवाओं को अब सरकार कर्ज भी देने जा रही है। यह उन्हें स्वरोजगार शुरू करने के लिए मिलेगा। इसके लिए रायपुर में कल लोन मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जिले के बेरोजगारी भत्ता प्राप्त कर रहे हितग्राहियों को उनकी योग्यता और रुचि के अनुसार ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को अपने विभाग के स्वरोजगार मूलक योजनाओं की जानकारी और आवेदन पत्र के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

रायपुर स्थित शासकीय आईटीआई सड्डू में सुबह 11 बजे से मेले का आयोजन शुरू होगा। छत्तीसगढ़ शासन की ओर से राज्य के न्यूनतम 12वीं पास और रोजगार कार्यालय में दो साल पहले से पंजीकृत युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है। इस समय जिले के 4800 युवाओं को बेरोजगारी भत्ता मिल रहा है। इसमें 12वीं कक्षा पास के साथ ही आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग, स्नातक स्तर के युवा योजना का लाभ ले रहे हैं।

10 शासकीय राशन दुकानों पर लगा ताला, प्रावधानों का उल्लंघन करने पर एसडीएम ने किया निलंबित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में प्रशासन ने शासकीय उचित मूल्य की 10 राशन दुकानों पर ताला जड़ दिया है। भाटापारा एसडीएम नरेंद्र बंजारा ने यह कार्रवाई सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के प्रावधानों के उल्लंघन मिलने पर की है। आदेश में कहा गया है कि सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधक और विक्रेताओं के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के कारण समितियों की ओर से संचालित दुकानों से लोगों को खाद्यान्न प्राप्त नहीं हो पा रहा है। इसके चलते इन दुकानों को निलंबित किया जाता है।

इन दुकानों को किया गया निलंबित

सेवा सहकारी समिति, तरेंगा-हथनीपारा, सेवा सहकारी समिति तरेंगा-गांधी मंदिर, सेवा सहकारी समिति, गुर्रा-महासती वार्ड, सेवा सहकारी समिति टेहका-दतरेंगी, सेवा सहकारी समिति, धुर्राबांधा-राजाढार, सेवा सहकारी समिति, मोपका-मोपका, सेवा सहकारी समिति, निपनिया-भोथीडीह, सेवा सहकारी समिति, खोखली-गाडाडीह, सेवा सहकारी समिति, केसला-लछनपुर, सेवा सहकारी समिति, खोखली-पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड, जिले की इन सभी दुकानों को निलंबित किया गया है।

संसद भवन में वैदिक मंत्रोच्चारों से हुई पहले हिंदू-अमेरिकन सम्मेलन की शुरुआत, भगवद्गीता का भी हुआ जिक्र

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की सत्ता के केंद्र यूएस कैपिटोल हिल में अमेरिका का पहला हिंदू-अमेरिकन सम्मेलन हुआ। यह सम्मेलन 14 जून को हुआ, जिसका मकसद अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय की दिक्कतों की तरफअमेरिका के कानून निर्माताओं का ध्यान आकर्षित करना था। इस सम्मेलन को अमेरिकन फॉर हिंदूज का नाम दिया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सम्मेलन की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और प्रार्थना के साथ हुई। इस दौरान रोमेश जापरा ने कहा कि हमारे हिंदू मूल्य पूरी तरह से अमेरिकी संविधान के साथ साझा हैं, वह भगवद गीता के साथ प्रतिध्वनित होते हैं। इसलिए हम हिंदू अमेरिकन्स को आवाज देने के लिए समर्पित हैं।

चिड़चिड़ा कर दर्ज किए यूएफएम के मामले

श्रीकंचनपथ

इस साल कॉलेज और स्कूल की वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षाओं ने यूएफएम के सारे रिकार्ड तोड़ दिये। दर्ज किए गए यूएफएम केसेस पिछले दस सालों में सर्वाधिक हैं। साइंस फिक्शन मूवी देखने वालों को यूएफएम शब्द से अनआइडेन्टिफाइड फ्लाइंग मशीन अर्थात उड़न तश्तरियों का आभास हो सकता है पर ऐसा है नहीं। इस यूएफएम का मतलब है अन-फेयर मीन्स। अर्थात परीक्षा दिलाने के वो तरीके जो सही नहीं हैं। इसमें टीचर अथवा इन्विजिलेटर द्वारा मदद करना, आसपास बैठे दूसरे परीक्षार्थियों की कापी देखकर लिखना, स्वयं बनाकर लाए हुए चिट का इस्तेमाल करना, डिजिटल माध्यमों से नकल करना, आदि शामिल हैं। कहा जा रहा है कि कोरोनाकाल के कारण बच्चों की तैयारी अच्छी नहीं थी, ऑफलाइन परीक्षा देने की आदत छूट चुकी थी, इसलिए नकल की तरफ उनका रुझान हुआ। ऐसी बातें केवल खुद को धोखा देने के लिए कही जाती हैं। दरअसल, नकल का इतिहास भी स्वयं परीक्षा जितना ही पुराना है। नकल मारने के तरीके भी एक से बढ़कर एक होते थे। कागज के पुर्जों पर नकल लिखकर लाना तो सामान्य था। लोग अपनी जांघों पर, बाहों पर, पेन्सिल बाक्स के भीतर, यहां तक कि स्केल पर भी नकल के इशारे बना लाते थे। नकल के पुर्जों को ऐसी-ऐसी जगहों में छिपाते थे कि आज बोलते या सोचते भी शर्म आ जाए। जाहिर है कि बात नकल करने की नहीं है। इस बार रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने नकल के 600 से ज्यादा नकल के मामले दर्ज किये। स्कूलों की बात करें तो 10वीं-12वीं परीक्षा के 45 विद्यार्थियों के नतीजे रद्द कर दिये गये। इन्हें जुलाई में होने वाली अवसर परीक्षा में शामिल होने का मौका भी नहीं दिया जाएगा। वहीं सरगुजा संभाग के एक स्कूल में 10वीं बोर्ड के 209 परीक्षार्थियों को गणित में शून्य दे दिया गया। इन सभी पर नकल करने का आरोप था। हालांकि, इन्हें पूरक की पात्रता होगी। यह सख्ती बहुतों को अच्छी लग सकती है। उन्हें लग सकता है कि इससे शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी और बच्चे स्कूल-कालेज को लेकर गंभीर होंगे। अब तक तो सारी कोशिशें केवल सरकार और पालक करते थे। सरकार जहां स्कूल खोलने, सुविधाएं जुटाने और टीचर उपलब्ध कराने में लगी हुई थी वहीं पालक भी अपनी अधिकतम क्षमता के अनुरूप बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने की कोशिश करते थे। परन्तु 70 फीसद बच्चों में अध्ययन की कोई जिजीविषा नहीं होती थी। पहले कालेज के बच्चे ही मस्तीखोर होते थे पर अब यह बीमारी स्कूलों तक जा पहुंची है। 9वीं-10वीं के बच्चे भी होटलों में बर्थडे पार्टी मनाते हैं। अब शिक्षकों का सब्र जवाब देने लगा है। पहले नकल पकड़ने पर भी यूएफएम केस नहीं बनाते थे पर अब ऐसा नहीं है। यह उनकी खीझ का ही परिणाम है कि इतने ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। अच्छा है, छत्तीसगढ़ में स्कूल कालेज तो बहुत खुल गए अब शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की भी कोशिशें होने लगी हैं।

संपादकीय

लू, चक्रवात और वर्षा

उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में गरमी या लू से बुरा हाल है और आगामी दिनों में भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के ज्यादातर इलाकों में लू का आलम रहेगा। उत्तर भारत ही नहीं, दक्षिण में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के ज्यादातर हिस्सों में भीषण गरमी देखी जा रही है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भी गरमी से बुरा हाल है। उधर, पश्चिमी तट के ज्यादातर इलाकों में समुद्री चक्रवात बिपरजॉय की वजह से बड़ी चिंता है, आम जनजीवन और परिवहन पर व्यापक असर पड़ा है। गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। समुद्र में उठ रही ऊंची लहरों और तेज हवाओं के चलते एक लाख के करीब लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक भी हुई है। ध्यान देने की बात है कि देश में अभी मौसम की विचित्र स्थिति बनी हुई है। पश्चिमी भारत में समुद्री चक्रवात का असर है, तो मध्य व उत्तर भारत में लू का कहर और पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश की चेतावनी है। इन दिनों सबसे ज्यादा चिंता बिपरजॉय को लेकर है। इसे छह दशकों में आया तीसरा बड़ा चक्रवात बताया जा रहा है। कम से कम नुकसान के लिए लोग दुआ, प्रार्थना का भी सहारा ले रहे हैं। अगर यह कमजोर नहीं पड़ा, तो भारत ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में भी तबाही का कारण बन सकता है। यह अच्छी बात है कि सरकारों और स्थानीय प्रशासन ने चक्रवात से निपटने के लिए समय रहते इंतजाम कर लिए हैं, अत: जान-माल की कम से कम क्षति होगी। यह हमारी मौसम संबंधी वैज्ञानिक तरक्की का ही नतीजा है कि चक्रवात से काफी पहले ही लोगों को सतर्क कर दिया गया है। पहले ऐसी त्रासदी भुगत चुके लोगों ने भी सरकारों के दिशा-निर्देशों की उचित ही पालना की है। अभी विस्थापित हुए लोगों को किसी भी तरह की तकलीफ से बचाना सरकारों की जिम्मेदारी है। एक उम्मीद यह भी है कि यह चक्रवात तट से टकराने से पहले ही कमजोर पड़ सकता है, पर इसने तट से टकराने से पहले ही नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। बड़ी तादाद में लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है। यह जितनी जल्दी बीत जाए, उतना अच्छा है। एक आशंका है कि इसका थोड़ा असर मध्य भारत या उत्तर भारत तक भी पहुंच सकता है। कुल मिलाकर, भारत में आगामी कुछ दिनों में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ ही रहने वाला है। केरल में सप्ताह भर की देरी से मानसून पहुंचा है। यह झारखंड और बिहार में प्रवेश कर चुका है, लेकिन उत्तर प्रदेश को अभी मानसून का इंतजार करना होगा। दिल्ली तक यह जून के आखिरी सप्ताह में ही पहुंचेगा। बीच-बीच में बारिश की वजह से इस बार तुलनात्मक रूप से कुछ राहत है। आगामी दिनों में भी लू के इलाकों में अचानक बारिश का माहौल बन जाए, तो आश्चर्य की बात नहीं है। वैज्ञानिक इन तमाम मौसमी हालात को जलवायु परिवर्तन से जोड़कर भी देख रहे हैं। मौसम बार-बार यह इशारा कर रहा है कि हमें प्रकृति के प्रति जल्द से जल्द ज्यादा सजग होने की जरूरत है। हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने और जलस्रोतों को बचाने के लिए काम करना चाहिए। तमाम तरह के प्रदूषण को कम करने के लिए भी युद्ध स्तर पर प्रयास होने चाहिए, तभी हम मौसम की लगातार बढ़ती मार झेलने की बेहतर स्थिति पैदा कर सकेंगे।

“ एक आशंका है कि इसका थोड़ा असर मध्य भारत या उत्तर भारत तक भी पहुंच सकता है। कुल मिलाकर, भारत में आगामी कुछ दिनों में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ ही रहने वाला है। केरल में सप्ताह भर की देरी से मानसून पहुंचा है। यह झारखंड और बिहार में प्रवेश कर चुका है, लेकिन उत्तर प्रदेश को अभी मानसून का इंतजार करना होगा। दिल्ली तक यह जून के आखिरी सप्ताह में ही पहुंचेगा।

एआई से चिंतित दुनिया!

घूम-फिर कर सवाल यही आएगा कि क्या ऐसे कानूनों से वह चिंता दूर होगी, जिसके लिए ये सारी कवायद की जा रही है? अक्सर किसी नई तकनीक और उसके प्रभाव को रोकने में कानून अक्षम साबित होते हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपनी अमेरिका यात्रा की इसे एक बड़ी कामयाबी बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने उनकी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) संबंधी योजना को स्वीकार कर लिया। पिछले हफ्ते जब ह्वाइट हाउस में दोनों नेता मिले, तो सुनक ने बाइडेन के सामने प्रस्ताव रखा कि ब्रिटेन एआई के विनियम का केंद्र बनना चाहता है। बाइडेन इस पर सहमत हो गए। जब दो विश्व नेता किसी ऐसे एजेंडे पर सहमत हो, तो यह समझा जा सकता है कि संबंधित मुद्दा दुनिया में किस तरह चिंता का विषय हुआ है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया के कई देशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर सख्त और कड़े कानून बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इन कानूनों के तहत दिखने में असली लेकिन फर्जी सामग्री बनाने वाली तकनीकों पर प्रतिबंध लगाना भी संभव है। मगर घूम-फिर कर सवाल यही आएगा कि क्या ऐसे कानूनों से वह चिंता दूर होगी, जिसके लिए ये सारी कवायद की जा रही है? अक्सर किसी नई तकनीक और उसके प्रभाव को रोकने में कानून अक्षम साबित होते हैं बहरहाल, यह सच है कि इस समय दुनिया भर में एआई को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं। तकनीक की दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोग- मसलन ट्विटर के मालिक इलॉन मस्क और गूगल के सीईओ तक एआई को लेकर चेतावनी दे चुके हैं। ऐसे में उचित ही है कि सरकारें भी इस बात पर विचार करें कि कैसे एआई के दुष्प्रभावों से लोगों को बचाया जाए। पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय साइंस और तकनीक परिषद ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया कि एआई से तैयार सामग्री कई तरह से नुकसानदायक हो सकती है। मसलन, अगर किसी देश की संसदीय समिति किसी विषय पर जनता से राय मांगती हैं, तो तो एआई के जरिये जनता की फर्जी राय दर्ज कराई जा सकती है, जिससे यह संकेत जाएगा कि कि जनता की राय एक खास पक्ष में है। फिर कॉपीराइट, प्राइवेसी और उपभोक्ता सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बनाए गए कानून एआई के नए दौर में नाकाफी हो गए हैं। इसलिए अगर सरकारें नया कानूनी ढांचा बनाना चाहती हैं, यह पहल सही दिशा में मानी जाएगी।

भाजपा महासंपर्क अभियान की मुश्किलें

भारतीय जनता पार्टी के महासंपर्क अभियान के रास्ते में कई मुश्किलें आ रही हैं। सबसे बड़ी मुश्किल गर्मी की है। पार्टी ने 30 मई को नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरे होने के मौके पर इसका ऐलान किया था। 31 मई को राजस्थान के अजमेर में रैली करके प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी शुरुआत की। लेकिन उसके बाद ही पूरे देश में हीटवेव शुरू हो गई। उत्तर और पूर्वी भारत के राज्यों में जबरदस्त गर्मी पड़ने लगी। कई राज्यों में गर्मी और लू की वजह से अलर्ट जारी करना पड़ा। भाजपा ने तय किया था कि महासंपर्क अभियान के तहत देश के अलग अलग हिस्सों में 51 रैलियां होंगी और इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ चार हजार टिफिन मीटिंग होगी।

टिफिन मीटिंग की शुरुआत भी पिछले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। इसके तहत पार्टी के बड़े नेता और छोटे कार्यकर्ता भी अपने घर से खाना लेकर आते हैं और एक जगह इकट्ठा होकर सब लोग भोजन करते हैं। इस दौरान राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा होती है। यह कार्यक्रम करीब तीन घंटे का होता है। लेकिन गर्मी के कारण सारा माहौल बिगड़ा हुआ है। शुरुआत के 10 दिन में बहुत कम टिफिन मीटिंग हुई और उसमें भी ज्यादा लोग नहीं जुटे। सब मौसम ठीक होने और बारिश शुरू होने का इंतजार कर रहे है। रैलियां हो रही हैं लेकिन उनमें भी बहुत अच्छा रिस्पांस नहीं मिल रहा है।

“ सुखद है कि अमेरिका के साथ हमारा व्यापारिक संबंध बहुत अच्छा है। वह हमारा सबसे बड़ा कारोबारी सहयोगी है। साल 2021-22 में आपसी व्यापार में हमें 32.8 अरब डॉलर का 'सरप्लस' हासिल हुआ था। यह संकेत है कि द्विपक्षीय व्यापार भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतरी में मददगार साबित हो रहा है। फिर, अमेरिका में सूचना प्रौद्योगिकी, विशेषकर सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों में कई भारतीय काम करते हैं, जो आपसी संबंधों को मजबूती दे रहे हैं।

हम अमेरिका से कैसे लें अधिकतम लाभ

अरुण कुमार, अर्थशास्त्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पर सबकी नजरें टिकी हैं। 21 जून से शुरू हो रहे उनके राजकीय दौरे को न सिर्फ सामरिक, बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक नजरिये से भी काफी अहम माना जा रहा है। सवाल यह भी है कि अमेरिका से लाभ लेकर चीन ने जिस तरह खुद को विकसित किया और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि हासिल की, क्या भारत भी अपने लिए ऐसी राह बना सकता है? किंतु-परंतु कई हैं, लेकिन यह अमेरिका के हित में है कि भारत मजबूत बने और इसके लिए उसे नई दिल्ली को हरसंभव मदद करनी चाहिए।

चीन को अमेरिकी साथ का फायदा इसलिए मिला था, क्योंकि दोनों सोवियत संघ (अब रूस) के खिलाफ 'सामरिक साझेदार' बने। इसे अमलीजामा पहनाने के लिए 1972 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर अपने राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का संदेश लेकर चुपचाप चीन गए थे, और फिर बाद में निक्सन व माओ का मिलना तय हुआ था। आज भारत और अमेरिका, दोनों के लिए ठीक इसी तरह की स्थिति है। दोनों देशों के लिए चीन एक बड़ा खतरा है। लिहाजा, दोनों के बीच सामरिक साझेदारी मौजूदा वक्त की बड़ी जरूरत है।

आज यूक्रेन युद्ध के कारण रूस और चीन एक-दूसरे के काफी करीब आ रहे हैं, क्योंकि दोनों देशों को पश्चिमी ताकतें किनारे करने पर आमादा हैं। इससे एक अलग तरह का शीतयुद्ध शुरू हो गया है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद जो शीतयुद्ध चला था, उसमें एक तरफ सोवियत संघ था, तो दूसरी तरफ अमेरिका, यानी वह टकराव साम्यवाद बनाम पूंजीवाद का था। मगर आज दोनों तरफ पूंजीवादी राष्ट्र हैं। इसमें भारत के लिए स्थिति कहीं ज्यादा शोचनीय हो जाती है, क्योंकि हम न रूस का साथ छोड़ सकते हैं और न अमेरिका का। आज भी हमारी 60 फीसदी सैन्य सामग्री मॉस्को से आती है, शेष अमेरिका व फ्रांस जैसे देशों से। इसी कारण, हमने निरपेक्ष (गुटनिरपेक्ष) रुख अपना लिया है।

अमेरिका हमारी मजबूरी जानता है। उसे पता है कि नई दिल्ली और वाशिंगटन, दोनों के सामरिक हित जुड़े हुए हैं। चूंकि चीन काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसलिए बीजिंग को घेरने के लिए वाशिंगटन कई तरह की रणनीति बना रहा है। क्वाड जैसे गुट का निर्माण, हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अलग नीति और चीन के पड़ोसी देशों से रिश्ते सुधारने जैसी कवायद इसी रणनीति का हिस्सा है। जाहिर है, उसकी यह मंशा तभी पूरी होगी, जब दक्षिण एशिया में कोई देश चीन के बरअक्स खड़ा होगा, और यह ताकत फिलहाल भारत के पास ही है। चीन इसी कारण भारतीय सीमाओं पर अतिक्रमण करने जैसे प्रयास करता रहता है, ताकि वह हमें अलग-अलग मामलों में उलझा सके।

सुखद है कि अमेरिका के साथ हमारा व्यापारिक संबंध बहुत अच्छा है। वह हमारा सबसे बड़ा कारोबारी सहयोगी है। साल 2021-22 में आपसी व्यापार में हमें 32.8 अरब डॉलर का 'सरप्लस' हासिल हुआ था। यह संकेत है कि द्विपक्षीय व्यापार भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतरी में मददगार साबित हो रहा है। फिर, अमेरिका में सूचना प्रौद्योगिकी, विशेषकर सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों में कई भारतीय काम करते हैं, जो आपसी संबंधों को मजबूती दे रहे हैं। उनसे काफी मात्रा में डॉलर भी भारत आ रहा है। फिर भी, दोनों देश एक-दूसरे के सामरिक साझेदार नहीं बन सके हैं। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु समझौता करके इसकी बुनियाद रख दी थी, लेकिन बाद में वाशिंगटन ने उतनी पहल नहीं की, जितनी नई दिल्ली को जरूरत थी। अमेरिका की तुलना में भारत की स्थिति कमजोर है, जिसका ख्याल व्हाइट हाउस को रखना चाहिए।

आखिर किन-किन क्षेत्रों में अमेरिका हमारी सहायता कर सकता है? हमारी सबसे बड़ी कमजोरी तकनीक है। अमेरिका इस मामले में दुनिया में सबसे आगे है, इसलिए उससे हमें तकनीकी व प्रौद्योगिकी मदद हासिल करनी चाहिए। विशेषकर रक्षा व औद्योगिक क्षेत्र में हमें अधिकाधिक प्रौद्योगिकी की जरूरत है। उम्मीद है, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा में इस पर गंभीर विचार होगा। खबर है कि जीई-414 इंजन को लेकर दोनों देशों में सहमति बन सकती है। इससे हमारे हल्के लड़ाकू विमानों की इंजन क्षमता बढ़ जाएगी। इससे विमान निर्माण क्षेत्र को फायदा मिल सकता है। ऐसे समझौते हमारे स्थानीय सैन्य उद्योग को भी मजबूती दे सकेंगे, जिससे हमारी आंतरिक ताकत में इजाफा होगा।

इसी तरह, एच1बी वीजा नियमों में ढील लेने के प्रयास भी हमें करने चाहिए। अमेरिका यदि इस पर राजी होता है, तो न सिर्फ वहां के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को मदद मिलेगी, बल्कि हमारे नौजवानों को भी रोजगार मिल सकेगा। द्विपक्षीय निवेश भी एक अन्य मोर्चा है, जिस पर अमेरिका को आगे बढ़ना होगा। पिछली सदी के आखिरी दशकों में चीन इसलिए तरक्की कर सका, क्योंकि अमेरिका से काफी निवेश वहां गया था। अमेरिका ने न सिर्फ उसे नई-नई तकनीक दिए, बल्कि उसके उत्पादों के लिए अपने बाजार भी खोल दिए। हमें भी कुछ ऐसा ही प्रयास करना होगा। तकनीक, बाजार, श्रम हस्तांतरण जैसे तमाम मोर्चों पर अमेरिका को हमारी सहायता करनी चाहिए।

यह सर्वविदित तथ्य है कि दुनिया का सबसे बड़ा असंगठित क्षेत्र भारत में है। जब तक यह समर्थ नहीं होगा, भारत मजबूत नहीं हो सकता। यहीं से सबसे ज्यादा मांग भी पैदा होती है। इसके लिए कृषि, लघु व मंझोले उद्योगों में हमें नई-नई तकनीक की दरकार है। इससे भारत के बड़े उद्योगों को भी परोक्ष रूप से फायदा होगा। कोविड ने हमारी अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका में बेशक आर्थिक सुस्ती है, पर उसने कोरोना से महज छह महीने में पार पा लिया और आज भी उसकी अर्थव्यवस्था सबसे मजबूत है, जबकि हम पिछले साल अपने पुराने स्तर को छू सके हैं।

जाहिर है, निवेश, तकनीक हस्तांतरण, व्यापार, वित्त जैसे तमाम क्षेत्रों में हमें अमेरिका से सहयोग हासिल करना होगा। हम इससे कोविड, यूक्रेन संकट, वैश्विक सुस्ती जैसे हालात से पार पा सकेंगे व अधिक मजबूती से विश्व मंच पर स्थापित हो सकेंगे। इसके लिए पहल अमेरिका को ही करनी होगी, क्योंकि इस 'एकतरफा' रिश्ते में फायदा उसे ही है। मजबूत भारत ही चीन के खिलाफ अमेरिका की मदद कर सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जलवायु परिवर्तन ने घटाया फलों का आकार और स्वाद

एस के सिंह, कृषि एवं फल वैज्ञानिक

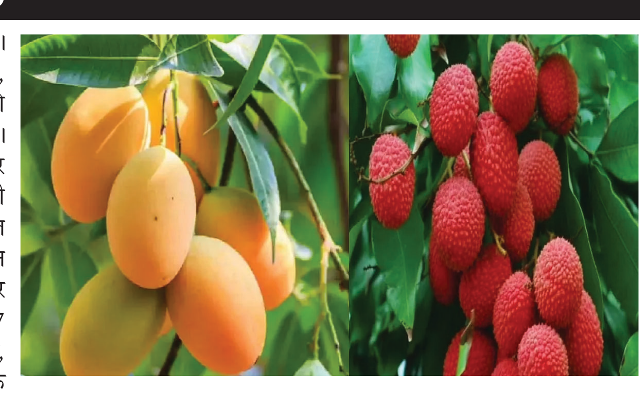

जून महीने में अप्रत्याशित रूप से बढ़े तापमान ने लीची और आम का स्वाद फीका कर दिया है। फल कम रसीले हैं। उनके आकार छोटे हो गए हैं। उपज भी प्रभावित हुई है। बिहार ही नहीं, पूरे देश में असर है। आम और लीची के शौकीनों को इस बार अच्छे स्वाद के फल ढूंढ़ने पड़ रहे हैं। यह सब जलवायु परिवर्तन के चलते हुआ है।

आने वाले दिनों में इसका और व्यापक असर देखने को मिलेगा। जलवायु में हो रहे परिवर्तन लीची और आम की खेती के लिए गंभीर खतरे के रूप में उभर रहे हैं। पिछले कई वर्षों से अप्रैल से मई माह के बीच का पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रह रहा है। जून में तो तापमान 44 डिग्री से भी ज्यादा चल रहा है।

लीची की बात करें, तो फल की तुड़ाई के समय तक अधिकतम तापमान 38 डिग्री से कम होना चाहिए। इस बार अत्यधिक गरमी की वजह से लीची के फल के छिलके झुलस गए हैं। छिलके की कोशिकाएं मर गईं, तो छिलके फट गए। बागों में ही 60 प्रतिशत से अधिक फल फट गए। खेत में नमी नहीं रहने से फल गिरने की प्रक्रिया तेज हो गई। फल जल्दी पकने लगे, इससे बागान मालिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत में 97.91 हजार हेक्टेयर में लीची की खेती हो रही है, जिससे कुल 720.12 हजार मैट्रिक टन उत्पादन प्राप्त होता है। बिहार में लीची की खेती 36.67 हजार हेक्टेयर में होती है, इससे 308.06 हजार मैट्रिक टन फल प्राप्त होता है। भारत में पैदा होने वाली लीची का लगभग 40 फीसदी बिहार में ही होता है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे प्रदेशों में भी लीची की खेती होती है। अकेले बिहार के मुजफ्फरपुर में 11 हजार हेक्टेयर में लीची के बाग हैं। ज्यादातर किसान लीची की शाही और चाइना किस्म की खेती करते हैं। भारत में लीची 18वीं शताब्दी में चीन से बर्मा होते हुए भारत आई थी। विश्व में लीची उत्पादन का 91 प्रतिशत हिस्सा भारत और चीन का है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के चलते फलों के जल्द खराब होने से स्थानीय स्तर पर ही ज्यादा खपत होती है। लीची के विकास की हरेक प्रक्रिया में उचित तापमान का होना जरूरी है। तापमान और आर्द्रता से फूल की कली का विभेदन, फूल आना, फल लगना, फलों की गुणवत्ता और स्वाद का विकास काफी प्रभावित होता है। लीची की खेती दिसंबर से फरवरी तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अप्रैल से जून तक 38 डिग्री सेल्सियस वाले क्षेत्रों में अत्यधिक सफल होती है। फूल और फल लगने के दौरान तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से 37.0 डिग्री सेल्सियस के बीच अच्छा माना जाता है। आजकल तापमान इससे ऊपर रह रहा है।

स्वाद बढ़ाने के लिए लीची के बागान में मधुमक्खी पालन भी बड़े पैमाने पर होता है। लीची के बागों में मधुमक्खी पालन से गुणवत्ता वाले फलों की पैदावार 15-20 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। अत्यधिक गरमी हो, तो मधुमक्खियां कम सक्रिय होती हैं। इससे भी गुणवत्ता प्रभावित हुई है और स्वाद भी फीका हुआ है।

इसी तरह आम के फलों के विकास के लिए भी अनुकूल तापमान की स्थिति जरूरी है। ज्यादा गरमी पड़ने पर आम का विकास कम होता है। फलों के आकार छोटे हो जाते हैं। प्रति पेड़ फलों की संख्या कम हो जाती है। सनबर्न या असमान पकने की समस्या भी आती है। इस वर्ष भी यही पाया गया है। यही कारण है, आम के आकार पहले की तुलना में छोटे और फीके रंग में दिख रहे हैं। स्वाद भी पहले जैसा नहीं है। इस बार कई राज्यों में ज्यादा तापमान के चलते आम के मंजर झड़ गए, उत्पादन घट गया। जलवायु परिवर्तन के असर व उच्च तापमान ने फलों को जल्दी पका दिया है। लू की वजह से पके फलों की उम्र कम हो गई है। उत्पादकता बढ़ाने के लिए जरूरी है कि लीची और आम के बाग का वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन किया जाए, तभी हम जलवायु परिवर्तन के प्रकोप का सामना कर सकते हैं। सरकार को भी चाहिए कि बागान मालिकों और आम-लीची के उत्पादक किसानों को प्रशिक्षण दे। किसानों को चाहिए कि मंजर लगने के समय से ही बाग का प्रबंधन शुरू कर दें। इससे हम लीची और आम की उन्नत किस्मों का स्वाद ज्यादा दिनों तक पा सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मणिपुर की चिंता करनी चाहिए

अजीत द्विवेदी

पूर्वोत्तर के राज्यों की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में तभी आती हैं, जब वहां कोई हिंसा होती है, अलगाववादी आंदोलन जोर पकड़ता है या चुनाव होते हैं। इसके अलावा मुख्यधारा का मीडिया पूर्वोत्तर के घटनाक्रम से तटस्थ बना रहता है। पिछले एक महीने में कई बार मणिपुर मुख्यधारा की राष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियों में रहा तो उसका कारण यह था कि वहां हिंसा भड़की थी। कुकी और मैती समुदाय के बीच जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक एक सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। यह हैरान करने वाली बात है कि तीन मई को हिंसा भड़कने के बाद कई दिन तक दिल्ली खबर नहीं पहुंची थी कि वहां क्या हो रहा है। उस दिन से राज्य में इंटरनेट की सेवा बंद हुई, जो अभी तक बंद है और 15 जून तक बंद रहेगी। इस तरह से इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ दो लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे लेकिन सर्वोच्च अदालत ने भी उनकी याचिका पर जल्दी सुनवाई से इनकार कर दिया। आम लोग संचार के बुनियादी साधनों से महरूम हैं और इसके बावजूद शांति बहाली नहीं हो पा रही है!

मणिपुर की हिंसा के बुनियादी कारणों और उसके समाधान के बारे में बात करने से पहले अगर हिंसा के अलग अलग पहलुओं को देखें तो बहुत चिंताजनक तस्वीर उभरती है। मणिपुर हिंसा कैसे शुरू हुई, किस तरह से उसका फैलाव पूरे प्रदेश में हो गया, कैसे इतने लंबे समय तक हिंसा चलती रही और इस दौरान कितनी बर्बरता हुई, इसकी कहानियां बेहद परेशान करने वाली हैं। हाल के दिनों में किसी भी राजनीतिक या सामाजिक आंदोलन में ऐसी बर्बरता नहीं देखने को मिली, जैसी मणिपुर में मिली है। एक सात साल के बच्चे तोंसिंग हैंगिंग की बर्बर हत्या किसी भी संवेदनशील इंसान को विचलित कर सकती है। तोंसिंग को सिर में गोली लगी थी और उसे एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा था। एक भीड़ ने एंबुलेंस को रोक कर उसमें आग लगा दी, जिसमें सात साल के तोंसिंग, उसकी मां और एक अन्य रिश्तेदार की मौत हो गई। सोचें, किसी भी सभ्य समाज में ऐसी अमानवीय और वीभत्स घटना की कल्पना की जा सकती है? घरों में आग लगाने की कई और घटनाएं हुईं।

हिंसा की शुरुआत हाईकोर्ट के एक आदेश से हुई, जिसमें अदालत ने राज्य के बहुसंख्यक मैती समुदाय को एसटी का दर्जा देने के प्रस्ताव पर विचार करने को कहा। कुकी समुदाय ने इसका विरोध किया और अदालत के फैसले के खिलाफ आदिवासी एकजुटता मोर्चा की एक रैली निकाली। तीन मई को निकाली गई रैली से टकराव शुरू हुआ, जिसमें भयंकर हिंसा का रूप ले लिया। पहले दो दिन की हिंसा में 54 लोग मारे गए। उसके बाद आनन-फानन में सेना तैनात की गई और अर्धसैनिक बलों को नियुक्त किया गया। अब सवाल है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर हुई हिंसा स्वंयस्फूर्त थी? अभी तक ऐसा ही माना जा रहा है लेकिन असल में ऐसा नहीं है। राज्य के दोनों मुख्य जातीय समूहों कुकी और मैती के बीच जातीय टकराव का पुराना इतिहास रहा है। दोनों समुदाय एक-दूसरे पर अविश्वास करते हैं। कुकी इस बात से परेशान रहते हैं कि मैती समुदाय को राजनीतिक रूप से ज्यादा महत्व मिलता है क्योंकि उनके चुने हुए प्रतिनिधियों की संख्या ज्यादा होती है। दोनों समुदाय हमेशा लड़ने के लिए तैयार रहते हैं। हाईकोर्ट के फैसले ने दोनों समुदायों के बीच की फॉल्टलाइन जाहिर हुई और बरसों से दबा आक्रोश बाहर आ गया। पूरे राज्य में हिंसा फैल गई।

पूरा राज्य किस तरह से कुकी और मैती में बंटा है, वह कई तरह से दिखा। कुकी समुदाय के विधायक तक राजधानी इंफाल छोड़ कर पहाड़ों में चले गए। उन्होंने केंद्र सरकार के सामने मणिपुर से अलग होने की मांग रखी। एक महीने से ज्यादा समय से चल रही हिंसा के बीच अब राज्य में कोई मणिपुरी नहीं है या भारतीय नहीं है। कोई पुलिसवाला, कोई अधिकारी या कोई कारोबारी नहीं है। सब कुकी हैं या मैती हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों में भी यह विभाजन है। सरकारी कर्मचारियों में भी ऐसा विभाजन है। एक हैरान करने वाली बात यह है कि एक महीने की हिंसा में सुरक्षाकर्मियों से तीन हजार हथियार छीन लिए गए। क्या हथियारबंद और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी से हथियार छीन लेना इतना आसान होता है? अब पूरे राज्य में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि हथियार वापस हासिल किए जा सकें। कहीं कहीं से कुछ हथियार बरामद हुए हैं लेकिन ज्यादातर हथियार अब भी उपद्रवियों के पास हैं और यह एक बड़ा कारण है, जिससे हिंसा नहीं थम रही है। पहाड़ों, जंगलों में हथियारबंद उपद्रवी हैं और 50 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविरों में हैं!

सोचें, मणिपुर में छह साल से ज्यादा समय से 'डबल इंजन' की सरकार है, जिसका दावा है कि उसने पूर्वोत्तर को मुख्यधारा से जोड़ा है और हिंसा समाप्त की है। इस दावे की हकीकत मणिपुर में दिख रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चार दिन तक मणिपुर में रहे और बाद में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को शांति बहाली के उपाय खोजने इंफाल भेजा गया। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पूरे घटनाक्रम पर चुप्पी साधी हुई है। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा है। न तो हिंसा में उलझे समुदायों से कोई अपील की है और न अपनी तरफ से अलग अलग समुदायों के बीच का अविश्वास दूर करने और राजनीतिक-सामाजिक समाधान की पहल की है। एक चिंता की बात यह भी है कि सरकार इसे कानून व्यवस्था की समस्या मान कर सुलझाने की पहल कर रही है, जबकि यह एक राजनीतिक व सामाजिक समस्या है, जिसकी जड़ें बहुत गहरी हैं।

भले मैती आरक्षण के बहाने इस हिंसा की शुरुआत हुई है क्योंकि जो वर्ग पहले से लाभार्थी है उसे अपनी श्रेणी में दूसरे समुदाय का शामिल होना कबूल नहीं है। लेकिन यह मामला इतना भर नहीं है। यह जमीन का मामला है, पहाड़ और जंगल का मामला है, पहाड़ और घाटी का मामला है, प्राकृतिक संसाधनों से लेकर प्रशासन को नियंत्रित करने का मामला है, कारोबार पर कब्जे का मामला है, राजनीतिक वर्चस्व का मामला है, कुकी व मैती के साथ साथ नगा हितों का भी मामला है, जिसे सिर्फ सुरक्षा बलों के सहारे नहीं ठीक किया जा सकता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जय भवानी व्यायाम शाला की एकता को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया

राजनांदगांव। नगर के जय भवानी व्यायाम शाला में अभ्यासरत वेटलिफ्टर खिलाडि़यों के द्वारा नगर के लिये एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर नगर को गौरवान्वित किया। जय भवानी व्यायाम शाला के संरक्षक अमित आजमानी ने बताया कि दिल्ली में आयोजित ऑल इंडिया स्कूल वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता जो कि 6 से 12 जून 2023 तक एन.सी.टी. दिल्ली में संपन्न हुई। उक्त स्पर्धा में नगर की एकता बंजारे (महारानी लक्ष्मीबाई हा.से.स्कूल सत्र 12वीं कामर्स की छात्रा, रितेश यादव (रॉयल किड्स राजनांदगांव) का छात्र ने उक्त स्पर्धा में अंडर 19वर्ष की स्पर्धा में भाग लेकर एकता बंजारे 71 कि.ग्रा. वर्ग में 147 किग्रा. वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जिससे छत्तीसगढ़ प्रदेश राजनांदगांव, जिला को गौरवान्वित किया। उल्लेखनीय है कि देश के प्रमुख महानगर पंजाब, असम, बिहार, हरियाणा, गुजरात, आ.प्र., राजस्थान, केरल, दिल्ली, हि.प्र., उ.प्र., म.प्र., महाराष्ट्र, झारखंड आदि प्रदेशों के खिलाडि़यों को पछाडते हुये स्वर्ण जीता। रितेश यादव 77 किग्रा. वर्ग में कुल वजन 208 उठाकर बेस्ट ऑफसिक्स में अपना स्थान बनाने में कामयाब रहें। आज उनके नगर आगमन पर जय भवानी व्यायाम शाला के पदाधिकारियों के द्वारा बाजे गाजे एवं फ्टाखों के साथ उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर महापौर हेमा सुदेश देशमुख ने मिठाई से खिलाडि़यों का मुंह मीठा कराया एवं आशीर्वाद दिया।

गोदना शिल्प प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ

गरियाबंद। जिला मुख्यालय गरियाबंद के सिविल लाईन स्थित कमार विश्राम भवन में गोदना शिल्प प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रीता यादव ने शनिवार 10 जून को किया। गोदना शिल्प प्रशिक्षण केन्द्र लगातार 09 सितम्बर 2023 तक संचालित रहेगा। इस दौरान जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्रीमती यादव ने हितग्राहियों को कहा कि गोदना शिल्प को अच्छे से सिखकर सभी हितग्राही इसे स्वरोजगार का साधन बना सकते हैं। वर्तमान में गोदना शिल्प की मांग काफी बढ़ी है। उन्होंने गोदना शिल्प कपड़ो का अवलोकन कर सराहना की। छ.ग. हस्तशिल्प विकास बोर्ड के संस्था प्रमुख एच. बी. अंसारी ने हितग्राहियों को योजनाओं के संबंध में विस्तापूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि लाभान्वित हितग्राहियों की उपस्थिति के आधार पर उन्हें प्रति माह 1500 रूपये छात्रवृत्ति प्रदाय किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में गरियाबंद क्षेत्र के 40 महिला हितग्राही लाभान्वित हो रहे है। इस दौरान जनपद पंचायत गरियाबंद मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरसिंग ध्रुव सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रमिक परिवार के 10 मेधावी छात्रों को एक-एक लाख रूपए का चेक प्रदान किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड में प्रावीण्य सूची में टॉप-10 में जगह बनाने वाले श्रमिक परिवार के बच्चों को एक-एक लाख का चेक का प्रतीक स्वरूप प्रदान किया। छात्रों की खुशी उस समय दोगुनी हो गई, जब मुख्यमंत्री ने इन होनहार बच्चों की आगे की पढ़ाई में सुविधा हेतु स्कूटी खरीदने के लिए एक-एक लाख देने की घोषणा करते हुए एक प्रतीक चेक अलग से प्रदान किया।

स्कूटी खरीदने के लिए अलग से एक-एक लाख रूपए देने की घोषणा

आज शाम रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री सुशील सन्नी अग्रवाल के नेतृत्व में 10वीं एवं 12वीं प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले छात्र-छात्राएं एवं श्रम विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सभी छात्र-छात्राओं की हौसला अफ्जाई करते हुए उनकी सराहना की। इस दौरान राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री रामगोपाल अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन भी मौजूद थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के प्रति बेहतर वातावरण का निर्माण हुआ। इससे गरीब परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके इसलिए हमारी सरकार स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल खोल रही है। मुझे इस बात की खुशी है कि यहां के बच्चे अच्छे अंक लाकर अपने गांव, जिले एवं प्रदेश का नाम रौशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल योजना के तहत उच्च शिक्षा के लिए श्रमिक परिवार के बच्चों को हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।

छत्तीसगढ़ भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की सचिव श्रीमती सविता मिश्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के पंजीकृत निर्माण श्रमिक हेतु संचालित 'मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना' के तहत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं की कक्षा में टॉप-10 में आने पर श्रमिक के बच्चों को प्रोत्साहन राशि के तहत एक लाख रूपए की राशि प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत 2021 में टॉप-10 में जगह बनाने वाले 10वीं एवं 12वीं के तीन छात्र-छात्राएं एवं 2022 में भी तीन छात्र-छात्राएं एवं इस वर्ष 2023 में 10 छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के तौर पर एक लाख रूपए प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में कुमारी मीनाक्षी साहू 10वीं में 6वां स्थान, रितेश कुमार देवांगन 12वीं में तीसरा स्थान, राहुल यादव 10वीं में पहला स्थान, योगेश सिंह 10वीं में 6वां स्थान, दिव्यांशु 10वीं में 9वां स्थान, कुमारी ख्याति साहू 12वीं 9वां स्थान, कुमारी बिदिया प्रधान 10वीं में 8वां स्थान, कुमारी न्याशा देवांगन 12वीं में चौथा स्थान, ऋषभ देवांगन 10वीं में 9वां स्थान, कुमारी झरना साहू 12वीं में 6वां स्थान पाने वाले श्रमिक परिवार के इन छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के तौर पर एक-एक लाख रूपए का चेक प्रतीक स्वरूप प्रदान किया गया। साथ ही उन्हें स्कूटी के लिए भी एक-एक लाख रूपए का चेक प्रतीक स्वरूप दिया गया। इस अवसर पर श्रमायुक्त सह सचिव बीओसी मंडल, सहायक श्रमायुक्तअनिल कुजूर, श्रम पदाधिकारी आर. के. प्रधान सहित श्रम विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री बघेल से 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से राजधानी रायपुर स्थित निवास कार्यालय में 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज जगदलपुर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा तथा बस्तर गोंचा महापर्व-2023 में शामिल होने का न्यौता दिया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस दौरान प्रतिनिधिमंडल की मांग पर जगदलपुर में आरण्यक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रूपए और बस्तर गोंचा महापर्व के सफ्ल आयोजन के लिए 5 लाख रूपए की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, राज्यसभा सांसद श्रीमती फूलोदेवी नेताम तथा बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज द्वारा अपनी 616 वर्षों से चली आ रही गौरवशाली परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी 4 से 20 जून तक ऐतिहासिक बस्तर गोंचा महापर्व का आयोजन किया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल में आरण्यक ब्राम्हण समाज जगदलपुर के पदाधिकारी सर्वश्री ईश्वर नाथ खम्बारी, बनमालि पानिग्राही, गजेन्द्र पानिग्राही, बिम्बाधर पाण्डे, नरेन्द्र पानिग्राही, ललित पाण्डे, मुरली पानिग्राही, विवेक पाण्डे, बिमल पाण्डे, बेणुधर पानिग्राही, मुक्तेश पाण्डे, मिनकेतन पानिग्राही, मोहन पानिग्राही, बद्रीनाथ जोशी, चिन्तामणी पाण्डे, लवण मण्डन शामिल थे।

रोजाना जाम से परेशान रहने वाले राहगीरों को मिलेगी निजात

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। बढ़ते शहरीकरण व वाहनों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि के मद्देनजर अब धमतरी शहर में स्टेट बैंक रत्नाबांधा विवेकानंद नगर गली नंबर 3 व जोधापुर डाक बंगला वार्ड पीजी कॉलेज रोड के मध्य बाईपास रोड बनाया जायेगा जिसका निर्माण के लिए भूमिपूजन महापौर विजय देवांगन,वार्ड पार्षद सोमेश मेश्राम की उपस्थिति मे वार्ड वासियों द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना कर किया गया।

प्रथम चरण में विवेकांनंद नगर गली नंबर 3 से महाराणा प्रताप भवन तक सीसी रोड बनाया जाएगा, दिव्तीय चरण में महाराणा प्रताप भवन से जोधापुर स्कूल पीजी कालेज रोड तक बनाया जाएगा सी सी रोड।

रत्नाबांधा पुराना नाका से अंबेडकर चौक तक कम हो जाएगा अतिरिक्त ट्रैफ्क्कि दबाव

महापौर विजय देवांगन ने बताया की शहर के मुख्य मार्गो की चौड़ीकरण की घोषणा भेट मुलाकात कार्यक्रम में मान.मुख्यमंत्री जी कर चुके है, साथ ही हमारा प्रयास है कि वार्डो के बीच से ही सीसी रोड बनाया जाए, ताकि मैन चौक में यातायात का दबाव कम हो, शहर के नेशनल हाइवे बहुत व्यस्त रहते है,गली नंबर तीन से सीधा संपर्क,डाक बंगला,जोधपुर, सोरिद वार्ड से संपर्क होगा।

यह बाईपास सीसी रोड निर्माण हो जाने से जोधापुर,डाक बंगला,सोरिद वार्ड वासियों का सीधा रत्नाबांधा रोड से सीधा संपर्क होगा,आने वाले समय में बढ़ते ट्राफिक्क के दबाव में ये रोड मिल का पत्थर साबित होगा।

बैंक लिंकेज महाशिविर में स्वसहायता समूहों को मिला 28.36 करोड़ रूपये से अधिक का ऋण

उद्यमिता के माध्यम से महिलाएं परिवार को करें सशक्तः मंत्री लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग मंत्री कवासी लखमा नेजगदलपुर के पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी बस्तर जिले की 1182 स्वसहायता समूहों को बैंक लिंकेज शिविर में 28 करोड़ 36 लाख 80 हजार रुपए का ऋण वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा ने कहा कि बस्तर में परंपरागत रुप से भण्डारगृह की चाबी महिलाओं के हाथों में ही होती है, क्योंकि वे अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करती हैं।

महिलाओं के इसी स्वभाव को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की जिम्मेदारी महिलाओं के हाथों में सौंपी है। गांव-गांव में बने गौठान और ग्रामीण औद्योगिक पार्कों के माध्यम से आजीविकामूलक कार्य कर यह महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति के साथ ही ग्रामीण और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का कार्य भी भलीभांति कर रही हैं।

मंत्री श्री लखमा ने कहा कि पहले ऋण प्राप्त करना आसान कार्य नहीं था, किन्तु अब स्वसहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को बहुत ही कम ब्याज पर आसानी से ऋण प्राप्त हो रहा है। महिलाओं को सशक्त और उद्यमी के रूप में स्थापित करने की दिशा में सरकार ने गौठान और ग्रामीण औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया है। जहां महिलाओं को आवश्यक संसाधन आसानी से उपलब्ध कराया जाता हैं। महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को स्थानीय स्तर पर आश्रम, छात्रावास, आंगनबाड़ी, विद्यालय सहित अन्य शासकीय संस्थाओं को आसानी से विक्रय कर सकते हैं। समूहों द्वारा तैयार सामग्री के विक्रय के लिए सी-मार्ट की स्थापना भी की गई है। उन्होंने कहा कि ऋण में प्राप्त इस राशि का उपयोग उद्यमिता के लिए करें और समय पर अपना ऋण चुकाएं, जिससे आपको अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए आगामी समय में और अधिक ऋण प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर सांसद दीपक बैज, संसदीय सचिव रेखचंद जैन, कलेक्टर विजय दयाराम के, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, नगर निगम सभापति श्रीमती कविता साहू, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजीव शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे, अनुविभागीय दण्डाधिकारी नंदकुमार चौबे, नगर निगम आयुक्त के. एस. पैकरा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं स्व सहायता समूह के सदस्य उपस्थित थे।

जल संरक्षण का पैगाम लिए तालाब की साफ-सफाई के लिए चला काफिला

राजनांदगांव। स्वच्छ सरोवर महाअभियान अंतर्गत आज जिले भर में व्यापक पैमाने पर तालाबों की साफ-सफाई की गई। तालाब हमारी प्राचीन संस्कृति एवं जनजीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। जल संरक्षण एवं संवर्धन का पैगाम लिए आज जनसहभागिता से तालाबों की साफ-सफाई अभियान में अभूतपूर्व लहर रही। इसी कड़ी में आज कलेक्टर डोमन सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम खुज्जी में तालाबों की साफ-सफाई अभियान में शामिल हुए एवं श्रमदान किया। इसमें युवा, महिलाओं, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामवासियों की उत्साहपूर्वक सहभागिता रही।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ऊँ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिलेगा 424 करोड़ से अधिक का प्रोत्साहन पारिश्रमिक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता संग्राहकों को 424 करोड़ 11 लाख रुपए का प्रोत्साहन पारिश्रमिक वितरित किया जाएगा। इस संबंध में आदेश वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने जारी किये हैं। विभाग ने इस संबंध में अनुमति प्रदान की है। इसके अंतर्गत वर्ष 2021 में लाभ में रही 733 समितियों के 9 लाख 49 हजार 944 संग्राहकों को 163 करोड़ 62 लाख रुपए की प्रोत्साहन पारिश्रमिक का वितरण किया जाएगा। इसी प्रकार संग्रहण वर्ष 2022 के लिए लाभ में रहीं 661 समितियों के 8 लाख 61 हजार 772 संग्राहकों को 260 करोड़ 49 लाख रुपए का प्रोत्साहन पारिश्रमिक का वितरण किया जाएगा।

यह जानकारी छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक अनिल कुमार राय ने दी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा तेंदूपत्ता के व्यापार से होने वाले लाभ का प्रोत्साहन पारश्रमिक संग्राहकों को वितरण किया जाता है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों दी जाने वाली तेंदूपत्ता संग्रहण राशि में भी वृद्धि की गई है और उनके कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नाबार्ड की हाई पावर कमेटी की बैठक सम्पन्न

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में नाबार्ड के अंतर्गत ग्रामीण आधारभूत सुविधा विकास निधि (आरआईडीएफ) से संबंधित प्रतिपूर्ति और ऋण प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा हेतु गठित हाई पावर कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 के स्वीकृत ऋण एवं प्रतिपूर्ति दावों की और वित्तीय वर्ष 2023-24 के ऋण प्रस्तावों एवं प्रतिपूर्ति हेतु विभिन्न लक्ष्यों के निर्धारण पर चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य सचिव जैन ने राज्य शासन के कृषि, सिंचाई, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, खाद्य सहित अन्य विभागों के अंतर्गत नाबार्ड द्वारा स्वीकृत ऋण परियोजनाओं के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में नाबार्ड के अंतर्गत आधारभूत सुविधा विकास निधि के अंतर्गत विचाराधीन ऋण प्रस्तावों पर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश नाबार्ड के अधिकारियों को दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस बैठक में वित्त विभाग के सचिव अंकित आनंद, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, लोक निर्माण विभाग के सचिव भुवनेश यादव सहित नाबार्ड के प्रमुख अधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ में समय से पहले मानसून आने के आसार

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच लोग मानसून का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। मौसम विभाग का कहना है कि छत्तीसगढ़ में निर्धारित समय से कुछ दिन पहले भी मानसून का प्रवेश हो सकता है।

दरअसल, मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अब अनुकूल होती जा रही है। वर्तमान में जगदलपुर में 21 जून और रायपुर में 24 जून मानसून प्रवेश संभावित है।

वहीं दूसरी ओर अरब सागर से उठे चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के असर के साथ ही स्थानीय प्रभाव के चलते बुधवार को दोपहर बाद रायपुर सहित प्रदेशभर में मौसम का मिजाज बदला और बारिश होने से लोगों को उमस से राहत मिली। कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी तो कुछ क्षेत्रों में तेज वर्षा भी हुई। साथ ही कुछ क्षेत्रों में तो इतनी तेज हवा चली कि होर्डिंग्स भी उड़ गए। मालूम हो कि चक्रवाती तूफान विपर्जय 15 जून की शाम को गुजरात के कच्छ से टकराएगा। बताया जा रहा है कि विपर्जय के चलते गुजरात के साथ नौ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश को अलर्ट किया गया है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के वन अधिकार पट्टेधारियों को सभी योजनाओं का लाभ दिलवाएं: मंत्री डॉ. टेकाम

रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने वन अधिकार पत्र वितरण के प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा सामुदायिक वन अधिकार, सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र एवं वन अधिकार पत्र प्राप्त हितग्राहियों को मनरेगा के तहत् स्वीकृत कार्यों एवं अन्य आनुषंगिक कार्यों में प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा है विशेष पिछड़ी जनजातियों के वन अधिकार पट्टेधारियों को सभी विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इनके वन अधिकार पट्टे की भूमि पर मनरेगा के तहत अभिसरण से कार्य कराया जाए। जिला समन्वय समिति बनाकर विभागों को कार्य का लक्ष्य दिया जाए। जिन गांवों में वन अधिकार के अधिक पट्टे दिए गए हैं उन्हें आदर्श गांव घोषित कर इन वर्गो के लिए कार्य कराया जाए। आदर्श गांवों की सूची सभी विभागों को दी जाए तथा विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करवाएं। मंत्री डॉ. टेकाम आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के सहायक आयुक्तो एवं परियोजना प्रशासकों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में विभाग के सचिव डीडी सिंह और आयुक्त शम्मी आबिदी सहित वरिष्ट अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि वर्तमान में मौसम को देखते हुए वन अधिकार पट्टेधारियों की भूमि पर पौधा रोपण करवाएं। यहां सब्जी, फल के पौधो का वितरण भी किया जाए। विभाग के सचिव डीडी सिंह ने कहा कि गतवर्ष हर गांव में सामुदायिक भवन अधिकार पत्र वितरण का लक्ष्य दिया गया था, इस कार्य को भी पूरा करें। विशेष पिछड़ी जनजातियों के वन अधिकार पट्टेधारियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण, पेंशन योजना और राशनकार्ड वितरण कर लाभान्वित किया गया। इसके साथ ही इन वर्गो के बच्चों के शिक्षा का विशेष ध्यान दें। आजीविका के लिए लघु वनोपज संग्रहण कार्य से भी जोड़ा जाए। वन अधिकार मान्यता के लिए आवेदकों की संख्या बढ़ाएं।

मंत्री डॉ. टेकाम ने विभागीय योजनाओं के लक्ष्य को पूरा करने, निर्माण कार्यो को स्थल पर निरीक्षण कर अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य के साथ केन्द्रीय योजनाओं के कार्यो को भी समय पर पूरा करें। देवगुड़ी आदिवासियों के आस्था का केन्द्र है। समुदाय का इससे जुड़ाव होना चाहिए। देवगुड़ी निर्माण के सभी स्वीकृत कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में सहायक आयुक्तों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों एवं उन्नयन किये गए छात्रावास-आश्रमों की मौके पर जाकर समीक्षा करें। विभाग अंतर्गत संचालित विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था को दुरूस्त करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अनुरक्षण, लघु मद अन्तर्गत किए गए कार्यो की समीक्षा भी की गई। बैठक में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की समीक्षा के अंतर्गत गणवेश आपूर्ति, पाठ्यपुस्तक तथा विद्यालयवार, शिक्षकवार बोर्ड परीक्षा परिणाम एवं अतिथि शिक्षकों की भर्ती की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। सीबीएसई पैटर्न के आधार पर बच्चों को पढ़ाने वाले अच्छे शिक्षकों की नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा प्रयास आवासीय विद्यालयों में वर्ष 2022-23 में प्रवेश एवं परीक्षा परिणाम तथा नवीन प्रारंभ प्रयास स्कूलों की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अन्तर्गत चयनित ग्रामों में स्वीकृत कार्यो की प्रगति की समीक्षा भी गई। चयनित ग्रामों में किए गए कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश सहायक आयुक्तों को दिए गए। इसके अलावा अत्याचार निवारण अधिनियम, न्यायालयीन प्रकरणों, भर्ती, पदोन्नति एवं अनुकंपा नियुक्ति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार परियोजना प्रशासकों से आदिग्राम पोर्टल में आवश्यक जानकारी की प्रगति को शीघ्र दर्ज करने के निर्देश दिए। संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 एवं केन्द्रीय क्षेत्रीय योजना अन्तर्गत विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह अभिकरण, प्रकोष्ठ के कार्यो में वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 की समीक्षा गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि विभागीय योजनाओं की समीक्षा हेतु तीन चरणों में होने वाली इस बैठक के तृतीय चरण में सरगुजा संभाग की समीक्षा बैठक 15 जून को की जाएगी।

आवास का निर्माण वैध जमीन पर ही किया जाए

आयुक्त शम्मी आबिदी ने कहा कि विशेष रूप से पिछड़ी जनजाति के लिए आवास भी बनाए जाने है, इसके लिए इन वर्गो के मुखिया और हितग्राहियों से चर्चा कर उनके संस्कृति के अनुरूप घर बनाया जाए। आवास का निर्माण वैध जमीन पर ही किया जाए और वहां बिजली पानी की मूलभुत सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में शिक्षा सत्र 2023-24 के लिए मेस संचालन, खेल सामग्री क्रय करने की कार्रवाई नियमानुसार शीघ्र पूर्ण कर ली जाए। इन विद्यालयों में कक्षा 10 वीं और 12 वीं के विद्यार्थियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिले के सहायक आयुक्त इसके लिए इन स्कूलों का अकादमी कैलेण्डर तैयार कर उसका पालन सुनिश्चित करवाए। इन स्कूलों के शिक्षकों को विषय-वस्तु के अनुसार प्रशिक्षित किया जाए। इन स्कूलों के बच्चों का प्रत्येक माह यूनिट टेस्ट लेकर बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों का आकलन करें। विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित क्रीडा परिसरों में स्वीकृत लघु निमार्ण कार्यो का मौके पर मुआयना कर इन कार्यो को शीघ्र ही पूरा करवाए। क्रीडा परिसरों में बच्चों की समय पर भर्ती हो। इन क्रीडा परिसरों में खेल विधाओं के अनुसार कैम्प लगाकर बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाए।

छत्तीसगढ़ के 297 हज यात्रियों का दूसरा जत्था हज के लिए रवाना

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान ने बताया की, हज 2023 के लिए आज नागपुर के अंतरराष्ट्रीय विमानतल से फ्लायनास की फ्लाइट नंबर एक्स वाए 5578 से राज्य के 297 हज यात्रियों का दूसरा जत्था हज के लिए रवाना हुआ। हज हाउस नागपुर से बसों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया, साथ ही छत्तीसगढ़ की खुश हाली और तरक्की की दुआ करने हज यात्रियों से को कहा गया।

इस अवसर पर विशेष रुप से अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष हाफिज खान, मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, रायपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शिव सिंह ठाकुर, मोहम्मद शाहिद ने उपस्थित होकर प्रदेश के हज यात्रियों को यात्रा की दिली मुबारक बाद दी। इस मौके पर छत्तीसगढ़ राज्य कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान, हज कमेटी के कार्यपालन अधिकारी सचिव साजिद मेमन, हज कमेटी सदस्य मौलाना कारी अशफाक अंजुम, मौलाना कारी इमरान अशरफी, मोहम्मद इमरान, अब्दुल रज्जाक खान, डॉ. रुबीना अल्वी, लुतरा दरगाह कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अकबर बख्सी. मोहम्मद रियाज, अब्दुल इमरान जावेद नाना अब्दुल कय्यूम असलम, मोहम्मद जमील, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद अनवर मोहम्मद यूसुफ, सलीम अशरफी, मोहम्मद हुसैन मलकानी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना: गुणवत्ता समीक्षक निर्माणाधीन सड़कों का करेंगे परीक्षण

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना सड़क विकास अभिकरण नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों का माह जून में छत्तीसगढ़ राज्य में दौरा कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। गुणवत्ता समीक्षकों द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माणाधीन सड़कों का परीक्षण किया जाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार माह जून 2023 में विरेन्द्र यति कांकेर एवं राजनांदगांव जिले का दौरा कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों का परीक्षण करेंगे। उनका मोबाइल नंबर +91-9450871160 है। इसी प्रकार ए.बी. माजीद खान सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिले के दौरा कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों का परीक्षण करेंगे। उनका मोबाइल नंबर +91-9419000339 है।

मुख्यमंत्री बाल उदय योजना- बाल देखरेख संस्था से बाहर जाने वाले बालकों को मिलेगा सुनहरा भविष्य

बच्चों के समुचित पुनर्वास और एक सफल नागरिक बनने में मददगार होगी मुख्यमंत्री बाल उदय योजना : डॉ. किरणमयी नायक

चिन्हांकित 108 बच्चों को मिलेगा योजना का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाल देखरेख संस्था से बाहर जाने वाले बालकों के जीवन को सही दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री बाल उदय योजना शुरू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य बालकों की देखरेख, समुचित पुनर्वास और एक सफल नागरिक के रूप में उनको स्थापित करना है। योजना के तहत राज्य में संचालित 69 बाल देखरेख संस्थाओं के 108 बच्चों को लाभान्वित किया जाएगा। यह जानकारी आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से रायपुर के लाभांडी में मुख्यमंत्री बाल उदय योजना पर आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में दी गई। यहां योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देने के साथ उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ने किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बाल उदय योजना छत्तीसगढ़ की अनूठी योजना है, जो बच्चों को अपराधी बनने से रोक कर एक सुनहरे भविष्य की ओर आगे बढ़ाती है। योजना के तहत बच्चों की परवरिश समुचित रूप से होने से वे एक जिम्मेदार नागरिक बनेंगे और भविष्य में छत्तीसगढ़ के विकास में भी सहयोग करेंगे। उन्होंने हायर सेकेण्डरी स्कूलों और कॉलेजों में प्री-मैरिज कॉउंसलिंग की व्यवस्था शुरू करने का प्रस्ताव भी दिया, जिससे परिवारों में आ रहे बिखराव को कम किया जा सके। विभागीय संचालक दिव्या मिश्रा ने बताया कि बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य द्वारा उल्लास, उजियार, उम्मीद और उमंग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसे आगे बढ़ाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया के मार्गदर्शन में उदय अर्थात मुख्यमंत्री बाल उदय योजना का शुरू की गई है। यह बाल देखरेख संस्थाओं से बाहर जाने वाले बालकों के भविष्य के उदय का सूचक है। मिशन वात्सल्य के अंतर्गत बच्चों के आफ्टर केयर के लिए 4 हजार रूपए के आर्थिक सहयोग का प्रावधान है। राज्य के 12 बच्चे पोषण देखरेख कार्यक्रम अंतर्गत परिवारों को दिए गए हैं। राज्य के गैर-संस्थागत देखरेख के 600 से अधिक बच्चों को विकास और शिक्षा के लिए प्रतिमाह 4 हजार रूपए दिए जा रहे है।

बच्चों के संस्थाओं से निकलने के बाद पहली जरूरत आवास और फिर जीवन यापन की होती है। मुख्यमंत्री बाल उदय योजना के तहत संस्थाओं से बाहर निकलने वाले बच्चों के कौशल उन्नयन, उच्च शिक्षा सहित व्यावसायिक प्रशिक्षण की भी व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। साथ ही आवास हेतु एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता का भी प्रावधान किया गया है। मिशन वात्सल्य के अंतर्गत दिए जा रहे 4 हजार रूपए के अतिरिक्त 3 हजार रूपए मुख्यमंत्री बाल उदय योजना से लाभान्वित बालकों को दिया जाएगा।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में व्यावसायिक और कौशल प्रशिक्षण संबंधित जानकारी देने के साथ प्रारूपों और दस्तावेजीकरण पर चर्चा की गई और जिला अधिकारियों के प्रश्नों और जिज्ञासाओं का निराकरण भी किया जाएगा।

इस अवसर पर यूनिसेफ के स्टेट हेड श्री जॉब जकारिया सहित जिलों से आए कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष, बाल देखरेख संस्थाओं के अधीक्षक, प्रभारी, बाल कल्याण अधिकारी उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

फैटी लिवर के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं ये 5 फल

फैटी लिवर की बीमारी लिवर की कोशिकाओं में ज्यादा फैट जमा होने की वजह से होती है और इसमें लिवर सही तरह से काम करना बंद कर देता है। अगर समय रहते इसके उपचार पर ध्यान न दिया जाए तो यह लिवर फेल होने या लिवर कैंसर का कारण बन सकती है। स्वस्थ जीवनशैली और डाइट में फाइबर युक्त फलों को शामिल करके इस बीमारी के खतरे को प्राकृतिक रूप से कम किया जा सकता है।

चकोतरा

खट्टे-मीठे स्वाद से भरपूर यह फल फैटी लिवर के प्रभाव को कम करने में काफी मदद कर सकता है। चकोतरा में मौजूद विटामिन- सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स आपके लीवर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करते हैं। यही नहीं, इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को मजबूत करने के साथ-साथ शरीर की वसा को कम करने का काम करता है। चकोतरा के सेवन से ये 5 फायदे भी मिल सकते हैं।

एवोकाडो

फैटी लिवर से निपटने के लिए कई डॉक्टर मरीज की डाइट में एवोकाडो को शामिल करने की सलाह देते हैं। अच्छे कोलेस्ट्रॉल से भरपूर एवोकाडो को खाने का सुझाव उन लोगों के लिए दिया जाता है, जो नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर से पीड़ित हैं। यह वसा या रक्त लिपिड को कम करने और लिवर को पहले की तरह स्वस्थ करने में मदद कर सकता है।

ब्लूबेरी

ब्लूबेरी एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं और लिवर की बीमारियों, विशेष रूप से फैटी लीवर, के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा इनमें एंथोसायनिन और फाइबर जैसे खनिज भी मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रोल, लिपिड और ग्लूकोज के स्तर में सुधार करने में सक्षम हैं। इन तीनों के स्तर में गड़बड़ी होने से हृदय रोग और लिवर की समस्या पैदा हो सकती है।

अंगूर

अंगूर में रेस्वेराट्रॉल नामक खास तत्व मौजूद होता है, जो फैटी लिवर का खतरा कम करने में सहयोग प्रदान कर सकता है। अंगूर में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, जो एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण की तरह काम करके लिवर को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, फैटी लिवर वाले लोग डाइट में अंगूर को शामिल करने से पहले डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

सेब

यह फल भी लिवर के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें फाइबर होता है और यह लिवर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद कर सकता है। फैटी लिवर का जोखिम कम करने में भी इस फल का सेवन काफी मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त सेब में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण फ्री रेडिकल्स को कम करके फैटी लिवर कोशिकाओं को ठीक करने में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

जी करदा के लिये उत्साहित है तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी आने वाली वेबसीरीज जी करदा के लिये उत्साहित है। दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित जी करदा अरुणिमा शर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित है और हुसैन दलाल और अब्बास दलाल द्वारा सह-लिखित है। आठ एपिसोड के इस शो में तमन्ना भाटिया के अलावा आशिम गुलाटी, सुहैल नय्यर, अन्या सिंह, हुसैन दलाल, सायन बनर्जी, संवेदना सुवालका, सिमोन सिंह और मल्हार ठाकर की भी अहम भूमिका है।तमन्ना भाटिया जी करदा के लिये बेहद उत्साहित है।

तमन्ना भाटिया ने कहा, 'जी करदा' में काम करना कमाल का एक्सपीरियंस रहा क्योंकि मैंने लाइफ में ऐसा कोई किरादर प्ले नहीं किया था। इससे पहले मैंने कॉमेडी की है या बहुत डार्क कैरेक्टर किए हैं। मैं 'जी करदा' के लिए सच में बहुत एक्साइटेड हूं। इससे पहले मैंने ऑन सॉन्ग स्ट्रक्कर्स में काम किया है। आज तक मुझे ऐसा रोल निभाने का मौका नहीं मिला जो मुझसे इतना क्लोज हो। जी करदा वेब सीरीज मेरे लिए काफी खास है क्योंकि इससे पहले ज्यादातर मैंने लार्जर दैन लाइफ कैरेक्टर किए हैं या सिनेमैटिक पोट्रेट ऑफ थिंग्स किए हैं, लेकिन यह मेरा बहुत रियलिस्टिक प्रेजेंटेशन रहेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे यह रोल मिला और इस निभाने की पूरी जर्नी मैंने काफी एंजॉय की है। जी करदा का प्रीमियर 15 जून को प्राइम वीडियो पर होगा।

ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में नजर आई अंकिता लोखंडे, फैंस ने तस्वीरों पर लुटाया बेशुमार प्यार

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे शादी के बाद से और भी ज्यादा ग्लैमरस होती जा रही हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाए रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। ब्लैक कलर की शॉर्ट आउटफिट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बेहद ही स्टाइलिस और बोल्ड नजर आ रही हैं। अंकिता लोखंडे की तस्वीरें सोशल मीडिया का पारा हाई कर रही हैं। वहीं, फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने ग्लैमरस और बोल्ड फोटोज शेयर करके फैंस के दिलों की धड़कने बढ़ा दी हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करना बिल्कुल नहीं भूलती हैं। साथ ही उनकी ये तस्वीरें उनके फैंस के दिलों की धड़कनें बढाए हैं। अंकिता आज एक जाना माना नाम हैं। लेकिन, इन्हें असली पहचान सीरियल पवित्र रिश्ता से मिली। इस सीरियल के कारण ये घर-घर में पसंद की जाने लगीं। इसके साथ ही अंकिता लोखंडे ने बॉलीवुड की फिल्म बागी 3 और मणिकर्णिका जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अंकिता लोखंडे इंस्टाग्राम पर भी कम फेमस नहीं हैं। उन्हें इंस्टा पर 4 मिलियन से ज्यादा फैंस फॉलो करते हैं। अंकिता लोखंडे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचाए रहती हैं।

विजय देवरकोंडा की आगामी फिल्म का हिस्सा बनीं मृणाल ठाकुर, तस्वीरें साझा कर दी जानकारी

मृणाल ठाकुर को पिछली बार गुमराह में देखा गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। आने वाले दिनों में मृणाल लस्ट स्टोरी 2, पूजा मेरी जान और नानी 30 जैसी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगी। अब इस बीच मृणाल के हाथ एक और बड़ी फिल्म लगी है। वह श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स की आगामी फिल्म एसवीसी54 का हिस्सा बन गई है। इसमें उनकी जोड़ी दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ बनी है।

मृणाल ने इंस्टाग्राम कुछ तस्वीरें साझा की है, जिसमें वह विजय के साथ नजर आ रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी। इसकी जानकारी खुद मृणाल ने दी है। मृणाल ने लिखा, एक बहुत ही रोमांचक यात्रा में पहला कदम। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के साथ काम करने का यह मेरा पहला मौका है और मैं विजय देवरकोंडा के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए वास्तव में रोमांचित हूं। शूट शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकती।

फिल्म द आर्चीज का नया पोस्टर जारी, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान फिल्म द आर्चीज के जरिए बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार है। इन स्टारकिड्स ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। अब निर्माताओं ने फिल्म द आर्चीज का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें सभी कलाकार बेहद अलग अवतार में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर द आर्चीज का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, दिल थाम के बैठें क्योंकि द आर्चीज जल्द ही एक्शन में आएगी। फिल्म द आर्चीज भारत के 1960 के दशक की पृष्ठभूमि दिखेगी। इसकी कहानी किशोरों (टीनेज) पर है, जो कुछ दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसका निर्देशन जोया अख्तर ने किया है। वो इससे पहले नेटफ्लिक्स के साथ लस्ट स्टोरीज और घोस्ट स्टोरीज के लिए काम कर चुकी हैं।

इस पोस्टर में जहां अगस्त्य नंदा के बगल में शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना पोज देती हुई दिखीं तो वहीं बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर डिफरेंट हेयर कलर किए हुए पोस्टर में नीचे बैठी नजर आईं. इस फिल्म के पोस्टर को शेयर कर खुशी कपूर ने ऐलान कर दिया कि ये फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है. हालांकि रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया.

सेट पर वापस आकर अच्छा महसूस कर रही हूं : मिनिषा लांबा

साल 2005 से फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली मिनीषा लांबा लंबे अंतराल के बाद अमेजन मिनी टीवी सीरीज बदतमीज दिल के साथ वापसी कर रही हैं। वह कहती हैं कि काम के लिए सेट पर वापस आकर अच्छा लग रहा है। मुंबई में बदतमीज दिल के लिए आयोजित एक विशेष स्क्रीनिंग में अभिनेत्री ने अपनी वापसी और शो के बारे में बात की। वेल डन अब्बा में रहा उनका किरदार दर्शकों के दिलों में बसा हुआ है।

यह पूछे जाने पर कि इतने लंबे समय के बाद वापस आकर कैसा लगा, मिनिषा ने कहा, सेट पर वापस आकर मैं अच्छा महसूस करती हूं। इससे अपने मकसद का एहसास होता है। सुबह उठती हूं और कुछ ऐसा होना रहता है, जिसकी प्रतीक्षा करती हूं। शो के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह प्यार के बारे में एक सुलझी हुई कहानी है। प्यार वह भाषा है, जिसे हर कोई समझता है और हर कोई प्यार चाहता है। कुछ लोग कह सकते हैं कि उन्हें यह नहीं चाहिए, लेकिन वे प्यार की तलाश करते हैं। इसलिए, सभी को यह शो देखना चाहिए।

बदतमीज दिल एक युवती का सफर पेश करती है, जो स्कूल के दिनों के रोमांस में विश्वास करती है और एक लड़का जो आधुनिक समय के प्यार में विश्वास करता है। इसमें बरुण सोबती और रिधि डोगरा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें मिनिषा लांबा और मल्लिका दुआ भी हैं।

गर्दन की अकड़न और दर्द से जल्द राहत दिलाएंगे ये नुस्खे, ये है इस्तेमाल करने का तरीका

ऑफिस में लंबे समय तक लैपटॉप के सामने बैठे रहने या लेटकर कई घंटों तक मोबाइल का इस्तेमाल करने की वजह से गर्दन का दर्द एक आम समस्या बन गई है। तनाव और सोने की गलत पोजीशन गर्दन में अकड़न और दर्द के प्रमुख कारण हैं, जो दर्दनाक और असहज होते हैं। दर्द से जल्द राहत पाने के लिए कुछ प्राकृतिक और घरेलू उपचार अपनाए जा सकते हैं।

ठंडा या गर्म सिकाई करें

अगर आप गर्दन के दर्द से जल्दी राहत पाना चाहते हैं तो ठंडा या गर्म सिकाई करें। इससे मांसपेशियों को आराम मिलेगा और यह गर्दन में रक्त के प्रवाह को तेज करके दर्द से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए प्रभावित हिस्से पर 20 मिनट के लिए हीटिंग पैड या आइस पैक लगाएं। गर्मी सख्त मांसपेशियों को आराम देगी, जबकि ठंडी सिकाई सूजन को कम करने में मददगार है। इसे दिन में 2-3 बार दोहराएं।

सेब का सिरका है उपयोगी

सेब का सिरका एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। यह गर्दन और मांसपेशियों के दर्द और तनाव को दूर करने के लिए एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। लाभ के लिए एक मुलायम रुमाल को थोड़े से सेब के सिरके में भिगोएं और फिर इसे गर्दन पर करीब 1 घंटे के लिए रखें। बेहतर परिणाम के लिए ऐसा दिन में 2 बार करें। सेब के सिरके से जुड़े इन हैक्स को भी आजमाएं।

एप्सम सॉल्ट से नहाएं

एप्सम सॉल्ट एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से समृद्ध होता है, इसलिए यह मांसपेशियों को आराम और दर्द और सूजन ने राहत दिलाने में मददगार है। लाभ के लिए गुनगुने पानी में 1-2 कप एप्सम सॉल्ट मिलाएं और दिन में कम से कम एक बार अपने शरीर विशेषकर गर्दन के हिस्से को 15-20 मिनट के लिए इसमें भिगोएं। नहाते समय भी आप इसी पानी का इस्तेमाल करें। यह सख्त मांसपेशियों को शांत और सूजन को कम करेगा।

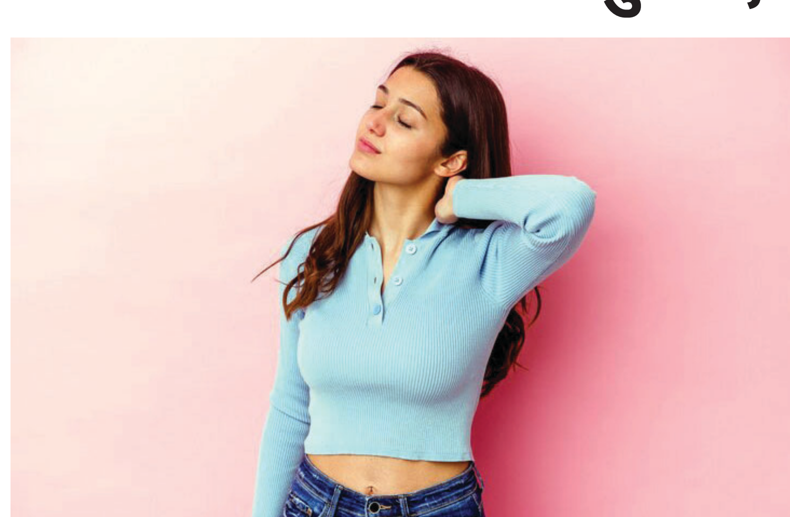

एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल करें

एसेंशियल ऑयल की सुखदायक महक सख्त और तंग गले की मांसपेशियों को आराम और दर्द और सूजन से राहत देने में मदद कर सकती है। इसके अलावा यह थकान को दूर करके दिमाग को शांत करने और तनाव और चिंता को कम करने में भी मदद करता है। इसके लिए पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल को लैवेंडर ऑयल, गर्म जैतून के तेल और तुलसी के तेल के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण से गर्दन पर कुछ देर तक मालिश करें।

अदरक का तेल भी आएगा काम

अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी, औषधीय और एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं, जो गर्दन और पीठ दर्द को कम करने में मदद करते हैं। यह रूमेटाइड आर्थराइटिस और ऑस्टियोआर्थराइटिस से जुड़े दर्द को कम करने में भी मदद करता है। दर्द और सूजन को कम करने के लिए आप रोजाना 2-3 कप अदरक की चाय में शहद मिलाकर पी सकते हैं। इसके अलावा गर्दन के प्रभावित हिस्से के दर्द को शांत करने के लिए रोजाना इस पर 2-3 बार अदरक का तेल लगाएं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

पोषण पुनर्वास केन्द्रों से कुपोषण के कुचक्र से बाहर निकलते बच्चे

रायगढ़। देश व समाज की अमूल्य पूंजी उसका मानव संसाधन होती है, जिससे समाज का विकास परिलक्षित होता है। यहीं दूरगामी सोच राज्य शासन की योजनाओं में भी दिखाई दे रही है। जो बच्चों को शत-प्रतिशत सुपोषित कर स्वस्थ समाज बनाने की संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। शासन द्वारा कुपोषित बच्चों के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, पूरक पोषण आहार के साथ ही पोषण पुनर्वास केन्द्र भी संचालित किए जा रहे है। जहां गंभीर कुपोषित बच्चों को रखकर उनका उपचार किया जाता है व उनकी देखरेख होती है। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने बच्चों के कुपोषण मुक्ति को लेकर लगातार विभागीय कामकाज की समीक्षा कर रहे है। स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग की बैठकों में कुपोषित बच्चों की देखभाल के लिए पोषण पुनर्वास केन्द्रों के सुचारू संचालन पर उनका विशेष जोर रहता है। पोषण पुनर्वास केन्द्रों में कोई भी बेड खाली ना रहे इसके विशेष निर्देश कलेक्टर श्री सिन्हा ने दे रखे है। उनके पहल पर तमनार में भी पोषण पुनर्वास केन्द्र प्रारंभ हाल ही में शुरू हो गया है। पोषण पुनर्वास केन्द्रों में चिन्हित गंभीर कुपोषित बच्चों को एक निश्चित दिन तक विशेष निगरानी में उन्हें पोषण आहार उपलब्ध कराया जाता है। जहां 6 माह से 5 साल तक के गंभीर कुपोषित बच्चों को प्राथमिक रूप से 15 दिन तक भर्ती कराकर उन्हें पोषण युक्त आहार देकर डॉक्टरों की टीम की देखरेख में उनका इलाज किया जाता है तथा अति गंभीर कुपोषित होने पर बच्चों को 21 दिन तक भी रखा जाता है। इस दौरान भर्ती किये जाने वाले बच्चों का स्पेशल डाइट चार्ट तैयार किया जाता है। जिसमें सही मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज तत्व युक्त भोजन आहार विशेषज्ञ द्वारा तैयार किया जाता है।

राजस्व मंत्री ने सड़क डामरीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

कोरबा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सुनालिया चौक से होते हुए अग्रसेन तिराहा तक सड़क डामरीकरण कार्य का नारियल तोड़कर शुभारंभ कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद के द्वारा की गई एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्यामसुंदर सोनी, एम.आई.सी.के सदस्यगण, पार्षदगण, एल्डरमेनगण व अन्य नागरिकगण उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र अंतर्गत सुनालिया चौक से अग्रसेन तिराहा तक किये जा रहे सड़क डामरीकरण कार्य का राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने भूमिपूजन किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के शासन काल में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्य किया जा रहा है। बिजली, पानी व सड़क इन मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति समान रूप से की जा रही है, जिले में सड़क नाम की कोई विशेष समस्या अब नहीं रह गई है। माननीय राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि सड़क, शिक्षा, चिकित्सा एवं सड़कों की मरम्मत आदि के कार्य नियमित रूप से क्षेत्र में किये जा रहे हैं तथा हर वार्ड विकास कार्य से अछूता नहीं है। उन्होने कहा कि कोरबा शहर के सभी प्रमुख मार्गो व आवासीय तथा व्यवसायिक क्षेत्रों की सडकों की डामरीकरण, सड़कों का नवीनीकरण व जीर्णोद्धार के कार्य व्यापक पैमाने पर किए गए हैं, जो अभी निरंतर जारी हैं। कोरबा नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सड़क संबंधी समस्त समस्याओं का सम्पूर्ण निदान किया गया है।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिले में 2 लाख 75 हजार से अधिक लोगों की होगी मलेरिया की जांच

सुकमा। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के साथ ही 15 जून से राज्य में सघन कुष्ठ रोग अभियान और राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान भी शुरू होगा। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के आठवें चरण में सुकमा जिले में मलेरिया की जांच की जाएगी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा करीब 2 लाख 75 हजार 483 लोगों की मलेरिया जांच की जाएगी। जिले के तीनों विकासखंडों में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान व सघन कुष्ठ खोज अभियान भी संयुक्त रूप से अभियान सर्वे दल के माध्यम से किया जाएगा । मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान के प्रथम चरण से लेकर सातवाँ चरण तक मलेरिया रोगियों की 45 प्रतिशत कमी हुई है। साथ ही आठवाँ चरण के तहत मलेरिया जांच कर जिले में मलेरिया मुक्त सुकमा के लिए अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान कुष्ठ के संदेहास्पद रोगियों की पहचान कर जांच व उपचार भी किया जाएगा। अभियान के दौरान नेत्र रोगियों की पहचान कर समुचित इलाज की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। राज्य को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए 15 जून से 10 जुलाई तक मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का आठवां चरण शुरू किया जा रहा है जिससे मलेरिया के मामलों को निम्नतम स्तर तक ले जाकर पूर्ण मलेरिया मुक्त राज्य के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। सुकमा जिले में 258 टीमें बनाई गई हैं।

विश्व रक्तदाता दिवस: एक यूनिट रक्त से बचाई जा सकती है तीन जिंदगी

नेहरू युवा केन्द्र ने किया शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (पीआईबी)। नेहरू युवा केन्द्र रायपुर छग, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य पर रक्तदान शिविर का आयोजन नेहरू युवा केंद्र रायपुर के कार्यालय में किया गया। अर्पित तिवारी, जिला युवा अधिकारी, नेहरू युवा केंद्र रायपुर ने बताया की रक्त दान के माध्यम से लोगों को रक्त दान करने के लिए तथा स्वस्थ जीवन यापन करने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। उन्होंने बताया की 1 यूनिट रक्त दान करने से हम 3 ज़िन्दगी बचाई जा सकती है।

उक्त रक्त दान शिविर बिलासा ब्लड सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया जो की रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट की एक शाखा है। वहीं इस रक्तदान शिविर में नेहरू युवा केंद्र युवा मंडल के स्वयंसेवक, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर, डिग्री गर्ल्स कॉलेज, अग्रसेन कॉलेज के राष्ट्रिय सेवा योजना के स्वयंसेवक, फॅमिली हेल्थ फाउंडेशन व ङ्क.ђद्व के अधिकारी शामिल हुए। इसके साथ ही महामारी स्वत्छता प्रबंधन पखवाड़ा के अंतर्गत आमजन में जागरूकता दिलाई गई व माहवारी से जुडी रूढ़िवादी परम्पराओ में चर्चा की गयी। इसके अतिरिक्त मिशन लाईफ के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए भी लोंगो को जागरूक गया ।

इस कार्यक्रम में में सुष्मिता श्रीवास्तव राज्य कार्यक्रम अधिकारी VHAI रेत्री लाहरे कार्यक्रम अधिकारी एन.एस.एस., अवदेश सिंग संभागीय समंवयक फैमिली हेल्थ इंडिया उपस्थित थे। इसमें युवा मंडल एवं एन.सी.सी. के सदस्यों ने रक्तदान का संदेश दिया। 21 युवाओं ने विश्व रक्तदान दिवस पर ब्लड डोनेट किया। सभी रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए छाता व् प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संयंत्र कर्मचारियों ने 28 यूनिट रक्तदान किया

रायगढ़। मैसर्स एस.के.एस. पावर जनरेशन (छत्तीसगढ़)लिमिटेड ग्राम बिंजकोट, दर्रामुड़ा द्वारा व्यवसायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया तथा महादानीयो को नमन करते हुए उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर संयंत्र परिसर स्थित व्यवसायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिनांक 14 . 06.2023 दिन बुधवार को समय सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें संयंत्र के कार्यकर्ता, अधिकारी, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों ने स्वैच्छिक रक्तदान जैसे महान पुनीत कार्य में भारी उत्साह के साथ भाग लिया तथा अपनी सराहनीय भूमिका निभाई। शिविर में 28 यूनिट रक्त संयंत्र के कर्मचारियों द्वारा दान किया गया इस शिविर के सफल आयोजन हेतु एस.के.एस. पावर जनरेशन (छत्तीसगढ़) लिमिटेड ग्राम बिंजकोट, दर्रामुड़ा, जिला रायगढ़ के महाप्रबंधक मानव संसाधन एवं प्रशासन श्री अमर सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राज्य में इस साल खरीफ फसलों के रकबे में होगी एक लाख हेक्टेयर की वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में खरीफफसलों की छुट-पुट बोनी शुरू हो चुकी है। इस साल खरीफरकबे में लगभग एक लाख हेक्टेयर की वृद्धि का लक्ष्य है। बीते खरीफमें राज्य में 47 लाख 18 हजार हेक्टेयर में खरीफफसलों की बोनी की गई थी, जिसे इस साल बढ़ाकर 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर करने का लक्ष्य है। धान का रकबा 39 लाख हेक्टेयर से घटाकर 36 लाख हेक्टेयर कर इसके बदले मिलेट्स, दलहन, तिलहन की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।

अन्य फसलों की खेती के रकबे में बीते साल की तुलना में भी लगभग एक लाख हेक्टेयर की वृद्धि की जाएगी। राज्य में खरीफ वर्ष 2023 में फसलवार खेती के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार राज्य में बोता धान की खेती में 3 लाख 14 हजार हेक्टेयर की कमी तथा धान रोपा के रकबे में लगभग 15 हजार हेक्टेयर की वृद्धि किया जाना है। मक्का के रकबे को एक लाख 92 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 2 लाख 40 हजार हेक्टेयर, मिलेट्स (कोदो-कुटकी, रागी) के रकबे को 96 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर एक लाख 60 हजार हेक्टेयर किया जाने का लक्ष्य है। इसी तरह अरहर और उड़द के रकबे में 50-50 हजार हेक्टेयर की बढ़ोत्तरी कर इनके रकबे को क्रमश: एक लाख 40 हजार हेक्टेयर और एक लाख 70 हजार हेक्टेयर में किया जाना है। दलहनी फसलों के रकबे में भी 83 हजार हेक्टेयर की वृद्धि कर 2 लाख 9 हजार हेक्टेयर में इनकी बोनी का लक्ष्य निर्धारित है। अनाज, दलहनी, तिलहनी फसलों के अलावा राज्य में अन्य फसलों की खेती के रकबा एक लाख 57 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 2 लाख 50 हजार हेक्टेयर किया जाना है।

खरीफफसलों के लिए राज्य के किसानों को खाद-बीज समय पर उपलब्ध हों इसको लेकर कृषि विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां पहले से ही की जा रही है। डबल लॉक एवं सहकारी समितियों में खाद-बीज का भण्डारण कराए जाने के साथ इनका वितरण भी किसानों को किया जा रहा है। आवश्यकता को देखते हुए अब तक 10.08 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भण्डारण किया जा चुका है। खरीफ सीजन 2023 के लिए 10.18 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इसका तेजी से भण्डारण एवं किसानों की डिमांड के अनुसार वितरण भी किया जा रहा है। राज्य में 4.12 लाख क्विंटल बीज का भण्डारण कर अब तक किसानों को 1.04 लाख क्विंटल बीज का वितरण किया जा चुका है, जो बीज भण्डारण का 25 प्रतिशत है।

रक्तदान से जरूरतमंदों की होती है प्राणों की रक्षा - उद्योग मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर बस्तर (जगदलपुर) जिला रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में महारानी अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा ने कहा कि रक्तदान पुण्य का कार्य है। रक्तदान से जरूरतमंदो की प्राणों की रक्षा होती है। दुर्घटनाग्रस्त लोगों को अक्सर रक्त की आवश्यकता होती है।

कई बार समय पर रक्त उपलब्ध नहीं होने पर व्यक्ति की जान संकट में आ जाती है। किसी व्यक्ति का जीवन रक्त के अभाव में संकट में न पड़े, इसके लिए रक्तदान मानवता के लिए जरूरी है। मंत्री श्री लखमा ने रक्तदान के लिए बड़ी संख्या में लोगों के जुटने पर खुशी जताते हुए कहा कि लोगों के जीवन को बचाने की यह ललक प्रेरणादायी है।

मंत्री श्री लखमा ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा निरंतर रचनात्मक कार्य किया जा रहा है। उन्होंने रक्तदाताओं को बधाई देते हुए कहा कि रक्तदाताओं के इस पुनित कार्य से किसी जरूरतमंद व्यक्ति के प्राणों की रक्षा हो पाएगी। ऐसा पुनित कार्य दूसरों के जीवन के प्रति संवेदनशील रखने वाले व्यक्ति ही सहजता के साथ रक्तदान कर सकता है। रक्तदान से मन को सुकून मिलता है। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवोदय के स्वयंसेवक तथा एनसीसी कैडेट्स ने रक्तदान किया।

कार्यक्रम में संसदीय सचिव रेखचंद जैन, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, कलेक्टर विजय दयाराम के., एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल डी. विजय भास्कर, जिला रेडक्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष एलेक्जेंडर चेरियन सहित जनप्रतिनिधिगण, जिला अस्पताल के कर्मचारी तथा स्वयंसेवी रक्तदाता उपस्थित थे।

गृहमंत्री साहू ने सिंघौरी में किया भक्त माता कर्मा चौक का लोकार्पण

सामाजिक प्रगति के लिए आपसी समन्वय, एकता और विचारों का सकारात्मक होना आवश्यक-गृहमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। सामाजिक प्रगति के लिए आपसी समन्वयप्रदेश के लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास, धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज बुधवार को बेमेतरा प्रवास के दौरान सिंघौरी बेमेतरा में भक्त माता कर्मा चौक सौंदर्यीकरण एवं साहू समाज सामुदायिक भवन लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुए। गृहमंत्री ने लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ भक्त माता कर्मा की प्रतिमा में विधिविधान से द्वीप प्रज्ज्वलित एवं पूजा अर्चना कर किया और जिलेवासियों की स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में नागरिकों से कहा कि हमें भी माता कर्मा के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होने जिस प्रकार त्याग को अपनाया ठीक उसी प्रकार समाज के तत्वाधान में हमें भी मां कर्मा माता की तरह आने वाली प्रत्येक त्याग को अपनाकर आगे बढ़ना है। कार्यक्रम में गृहमंत्री ने समाज के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ने की बात कही और कहा माता कर्मा हमारे समाज की आराध्य देवी है, माता ने त्याग और तपस्या की जो राह समाज को दिखाई है हमें उसी राह पर चलना है। श्री साहू ने कहा कि हम सभी में प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने का जुनून होना चाहिए। एक कार्य के पूर्ण होने के पश्चात ही दूसरा कार्य प्रारंभ करना चाहिए और निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। बेमेतरा जिले में भी इन चार सालों में बहुत विकास हुआ है, यह सब आप लोगों की कार्य के प्रति लगन और कर्मठता प्रदर्शित करती है। जिले में अब लोगों के स्वास्थ्य सुविधा के लिए बड़े-बड़े अस्पताल खुल गए हैं, यहां पर हाट बाजार क्लिनिक योजना से मरीजों का नि:शुल्क उपचार हो रहा है। हमने लोकहित के लिए सभी योजनाएं बारिकी से बनाएं है आप सभी इन योजनाओं का लाभ लें। आप सभी ने अपनी परंपराओं को अच्छे से संजोकर रखा है, समाजिक संगठन द्वारा समाज को आगे बढ़ाने के लिए जो कार्य किए जा रहे है, इससे आने वाली पीढ़ी को लाभ मिलेगा। उन्होने कहा कि सामाजिक प्रगति के लिए आपसी समन्वय एकता और विचारों का सकारात्मक होना अति आवश्यक है और सकारात्मक विचार शिक्षा ही दे सकती है। इसके लिए हम सभी को सामाजिक तरक्की हेतु शिक्षा पर विशेष बल देना चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय विधायक आशीष कुमार छाबड़ा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शकुंतला मंगत साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष पंचू साहू एवं नगर पालिका परिषद सभापति मनोज शर्मा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने स्वास्थ्य विभाग के कामकाज की समीक्षा मातृत्व व शिशु स्वास्थ्य की रिपोर्टिंग दुरुस्त करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने आज वरिष्ठ अधिकारियों और सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के साथ बैठक कर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया।

लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं और उनके निदान पर भी बैठक में चर्चा की गई। श्री सिंहदेव ने इस दौरान गैर शासकीय चिकित्सालयों में हो रही डिलीवरी की रिपोर्टिंग को और सुदृढ़ करने के साथ डॉटा एंट्री में हो रही समस्याओं को जल्द दूर करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, आयुक्त डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक जयप्रकाश मौर्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदिपान, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक श्री चंद्रकांत वर्मा और महामारी नियंत्रण के संचालक डॉ. सुभाष मिश्रा भी बैठक में शामिल हुए। सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, संभागीय संयुक्त संचालक, जिलों में पदस्थ विभागीय उप संचालक, ज़िला कार्यक्रम प्रबन्धक तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे। पोषण पुनर्वास केंद्र में बेहतर परिणाम के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिए स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव ने बैठक में शिशु और मातृ मृत्यु दर पर प्रभावी नियंत्रण पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने मातृत्व स्वास्थ्य की रिपोर्टिंग को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। किसी भी रोग के संक्रमण की स्थिति से निपटने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी उन्होंने बल दिया। श्री सिंहदेव ने पोषण पुनर्वास केन्द्रों में बेहतर परिणाम के लिए मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने को कहा। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों और डॉक्टरों को संवेदनशीलता के साथ काम करने कहा।

डॉ संजय अलंग ने रायपुर संभाग आयुक्त का पदभार संभाला

रायपुर। रायपुर संभाग के नवनियुक्त आयुक्त डॉ संजय अलंग ने आज रायपुर संभाग कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। डॉ अलंग सुबह रायपुर कमिश्नर कार्यालय पहुँचे और विधिवत् पदभार ग्रहण किया। डॉ अलंग इसके पहले बिलासपुर संभाग के आयुक्त थे। वे 2004 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। कार्यालय में प्रभारी कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने नये आयुक्त का स्वागत किया और ज़िले की प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी दी। संभाग आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी नये आयुक्त का स्वागत किया। पदभार संभालते ही डॉ अलंग ने पूरे कार्यालय का निरीक्षण किया और अधिकारी- कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया।

खास-खबर

तीन मकान में चोरों का धावा 7 लाख का जेवर व कैश पार

रायपुर (ए)। राजधानी के तीन सूने मकान में चोरों ने धावा बोल दिया। आलमारी में रखा सोने-चांदी के जेवर समेत 7 लाख का कैश पार कर दिया गया है। तीनों मकान में रहने वाले बाहर गए थे। जब वापस लौटे तो घटना की जानकारी हुई। उसके बाद पुलिस में सूचना दी गई। पुलिस तीनों मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि रेलवे में पदस्थ चंद्रशेखर सोनकर के परिवार में शादी थी।

परिवार बाहर गया था। मंगलवार को लौटे। जब आलमारी खोली तो देखा कि उसमें रखा 4 लाख जेवर और कैश गायब था। मकान में तलाश किया, लेकिन जेवर नहीं मिला। इधर अमलीडीह निवासी योगेश श्रीवास्तव और काजल आहूजा के सूने मकान से तीन लाख का जेवर पार कर दिया गया है। दोनों अपने परिवार के साथ बाहर गए थे। चोर मकान का ताला तोड़कर भीतर आए और आलमारी का लॉक तोड़कर जेवर ले गए। पुलिस तीनों मकान के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। कुछ संदेहियों का फुटेज मिला है।

निरीक्षण में व्यवस्था परखीः दुर्ग एसपी ने पाटन में ग्रामीण थाना प्रभारियों की बैठक ली

भिलाई। दुर्ग एसपी शलभ सिन्हा ने बुधवार को ग्रामीण क्षेत्र के थाना पाटन, उतई, अंडा और मचांदुर चौकी का निरीक्षण किया। पाटन थाना में एसपी ने ग्रामीण क्षेत्र के सभी थाना/चौकी प्रभारियों की बैठक ली। जरायम, शिकायत बुक, माल खाना, थाना परिसर की साफ-सफाई आदि की जानकारी। रजिस्टर चेक किया। स्टाफ से भी रूबरू होकर उनसे बातचीत की। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस लक्ष्मण तिवारी, एसडीओपी पाटन देवांश सिंह राठौर, उतई प्रभारी मनोज प्रजापति, पाटन थाना प्रभारी राजकुमार लहरे, रानीतराई थाना प्रभारी ऐनु देवांगन व अन्य मौजूद रहे।

टास्क फोर्स ने अवैध उत्खनन कर्ता व परिवहनकर्ताओं पर लगाया अर्थदंड

सूरजपुर (ए)। कलेक्टर अग्रवाल के निर्देश पर जिले अंतर्गत खनिज अमला, राजस्व अमला व जिला स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन व परिवहन करने वाले अवैध उत्खनन कर्ता, परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध सतत् जांच व कार्यवाही की जा रही है।

जांच के दौरान खनिजों पत्थर, गिट्टी, मुरूम, मिट्टी, ईट, रेत आदि का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाये जाने पर ऐसे कार्यों में संलग्न मशीनरी व वाहनों को नियमानुसार जब्त कर अवैध उत्खनन परिवहन का प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। तथा अर्थदंड की वसूली भी की जा रही है। 10 जून तक विभागीय अमला व जिले में गठित टास्क फोर्स द्वारा खनिज पत्थर, गिट्टी, मुरूम, मिट्टी, ईट, रेत अवैध परिवहन में संलग्न 08 वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए अवैध परिवहनकर्ताओं से अर्थदण्ड के रूप में राशि रुपए 153747 (जिसमें खनिज रेत, पत्थर व मिट्टी के 07 प्रकरण पर अर्थदंड की राशि रुपए 1.37,437) वसूल कर खजाना दाखिल कराया गया है।

तीन मकानों में लगी भीषण आग

पड़ोसी के यहां शादी में व्यस्त था परिवार तभी लपटों से घिरा घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में बुधवार की रात तीन मकानों में भीषण आग लग गई, जिससे घर में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त आग लगी, तब पड़ोसी के यहां शादी हो रही थी। आग लगने के बाद परिवार के एक सदस्य ने भाग कर अपनी जान बचाई। इसके बाद लोगों की भीड़ ने आग बुझाने की कोशिश शुरू की। रात में फायर ब्रिगेड बुलाकर आग को काबू में किया गया। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के ग्राम धुर्वाकारी में रहने वाले नंदू घृतलहरे के पड़ोस में शादी हो रही थी। परिवार के सभी सदस्य उसमें शामिल होने गए थे। तभी रात करीब 9.30 बजे घर में आग की तेज लपटों के साथ धुआं उठते दिखा। देखते ही देखते आग छप्पर सहित अन्य हिस्सों तक पहुंच गया और भीषण रूप से ले लिया। तब वह किसी तरह बाहर निकला और आसपास के लोगों को बुलाया।

देखते ही देखते जल गए तीन मकान

जब तक वहां लोगों की भीड़ पहुंची और आग को काबू करने का प्रयास शुरू हुआ, तब तक आग की लपटें तेज हो चुकी थी और आजू-बाजू के दो मकानों तक पहुंच गई थी। इस दौरान लोगों ने डायल 112 को घटना की जानकारी दी। साथ ही फायर बिग्रेड को भी सूचना दी। आग से मकानों के अंदर रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया है।

एक घंटे बाद पहुंची दमकल गली से घर तक पहुंचने में हुई दिक्कत

लोगों के जानकारी देने के एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। लेकिन, जिस जगह पर आग लगी थी वहां तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं पहुंच पाई। इसके चलते पाइप लगाकर पानी की बौछारों से आग बुझाने का प्रयास चलता रहा। देर रात टीम ने आग को काबू में किया, तब लोगों ने राहत की सांस ली।

इनके मकान में लगी आग घरेलु सामान जलकर खाक

धुर्वाकारी निवासी नंदू घृतलहरे के घर के साथ-साथ रवि घृतलहरे, बुग्नू घृतलहरे के घरों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन, तब तक तीनों मकानों के घरेलू उपकरण समेत अन्य सामान जलकर राख हो गए।

लापता युवक की जंगल में मिली लाश

गले पर रस्सी के निशान, मौके पर मृतक की बाइक शराब की खाली बोतल बरामद

कोरबा (ए)। कोरबा जिले के ओमपुर के जंगल में बुधवार को एक युवक की लाश मिली है। मृतक की पहचान ग्राम आमाडांड निवासी 40 वर्षीय बसंत कोसले के रूप में की गई है। युवक मंगलवार शाम से लापता था। उसके गले पर रस्सी से गला घोंटे जाने के निशान पाए गए हैं। मामला रजगामार चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम आमाडांड निवासी बसंत कोसले (40 वर्ष) मंगलवार शाम साढ़े 6 बजे घर से निकला था, जिसके बाद वापस नहीं लौटा। परिवार वालों ने गांव में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। बुधवार को युवक की लाश ओमपुर से सटे जंगल में मिली। ये जगह SECL की विभागीय कॉलोनी से महज 300 मीटर की दूरी पर है। जंगल में युवक की लाश मिलते ही लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई।

आसपास के लोगों ने मृतक की पहचान बसंत कोसले के रूप में की। लोगों ने पुलिस को मामले की सूचना दी। जानकारी मिलने

पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने परिवारवालों और लोगों से पूछताछ की। परिजनों ने बताया कि युवक बिलासपुर के सीपत में ठेका मजदूर था और कुछ दिनों पहले ही छुट्टी लेकर कोरबा के आमाडांड अपने घर आया था। वो मंगलवार शाम को पत्नी-बच्चों से बात करके अपनी बाइक से घर से निकला। उसने थोड़ी देर के बाद घर वापस लौट आने की बात कही थी, लेकिन रातभर वापस नहीं लौटा और आज उसकी लाश जंगल में मिली। रजगामार चौकी प्रभारी अजय सिंह ठाकुर ने बताया कि शव से कुछ ही दूरी पर मृतक की दोपहिया भी मिली है। मृतक के गले पर रस्सी के निशान हैं, जिससे उसकी हत्या की आशंका है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

एसीसीयू की टीम ने दबिश देकर की कार्रवाई किराए के मकान में हुक्का बार, 7 गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। अज्ञेय नगर में किराए के मकान में हुक्का बार चल रहा था। एसीसीयू ने देर रात यहां जाकर दबिश दी और 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यहां पर 40 मिनट कश लगाने का 500 रुपए लिया जाता था। पुलिस ने मौके से पाइप, पॉट, चिलम सहित अन्य सामान जब्त की। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) को देर रात सूचना मिली कि सिविल लाइन क्षेत्र के अज्ञेय नगर स्थित अनुभव गुप्ता के मकान को कवर्धा निवासी चतुर सिंह व नवीन साहू (18) बहबलिया कुंडा कबीरधाम किराए पर लेकर वहां काफी समय से हुक्का बार संचालित कर रहे हैं। एसीसीयू की टीम ने सिविल लाइन पुलिस को सूचना देकर वहां दबिश दी। पुलिस वहां पहुंची तो सामने का दरवाजा बंद था और पीछे गाड़ियां खड़ी थी। पीछे का दरवाजा खुला था।

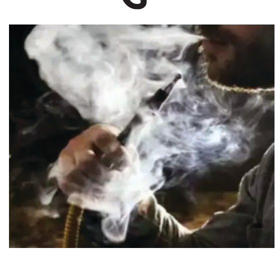

पुलिस भीतर घुसी तो वहां पर लोग हुक्का पीते मिले। चतुर सिंह व नवीन साहू के साथ पुलिस ने पीने वाले प्रकाश अग्रवाल बिल्हा, महंक अग्रवाल टिकरापारा जलाराम मंदिर के पास, शौयू प्रताप नया सरकंडा, शुभम अग्रवाल विनोबा नगर, अक्षत अग्रवाल बिल्हा को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 7 हुक्का पाइप, 5 पॉट, 8 चिलम, मरहमा स्मोकिंग किल्स आदि जब्त किए गए हैं।

पुलिस ने पीने व पिलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। पिलाने वाले में एक ही नाम है। दोनों के खिलाफअलग-अलग धाराएं लगाई गई हैं। पिलाने वाले में दूसरे का नाम शामिल नहीं किया गया है। पिलाने वाले के खिलाफ गैर जमानती धाराओं के तहत कार्रवाई करने का प्रावधान है।

दोपहर को पैरावट में लगी आग डेढ़ घंटे के बाद पहुंचा दमकल

कोदवा (ए)। पुलिस चौकी देवकर अंतर्गत आने वाले ग्राम खिसोरा में बुधवार की दोपहर पैरावट में आग लग गई, आग लगने से 20 एकड़ से ज्यादा पैरा जलकर राख हो गया। गांव के किसान ओंकार साहू, राजाराम साहू के खलिहान में आग लगी थी। एक पैरावट में आग लगने के बाद देखते ही देखते पास में रखे सभी पैरावट में तेजी से आग फैल गई।

आग इतनी भयानक थी कि किसानों द्वारा पानी छिड़काव करने के बाद भी नहीं बुझी। ग्राम पंचायत सरपंच भवानी साहू ने फायर ब्रिगेड को फोन कर घटना की जानकारी दी।

लेकिन नगर पंचायत में फायर ब्रिगेड के बंद होने की जानकारी

दी। लगभग डेढ़ घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया पर खबर के लिखे जाने तक आग पर काबू नहीं पाया गया था। बताया जा रहा है कि आंधी-तूफान ने आग को और हवा दे दी जिसके चलते आग बेकाबू हो गया। अच्छी बात रही आग मकानों तक नहीं पहुंची।

धर्मजयगढ़ के छाल रेंज में हाथी शावक का दो दिन पुराना शव मिला

रायगढ़ (ए)। धरमजयगढ़ वन मंडल के छाल रेंज के जंगल में बुधवार को एक हाथी शावक का दो दिन पुराना शव मिला है। घटना की सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार छाल रेंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम पुरूंगा जामपाली के बीच स्थित जंगल में बुधवार की दोपहर एक हाथी शावक का शव मिला। मृत हाथी शावक का दो दिन पुरानी होनें की आशंका जताई जा रही है। जंगल में हाथी शावक का शव मिलने की सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस संबंध में और अधिक जानकारी के लिये विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया गया, पर उनसे संपर्क नही हो सका।

प्रेमी-प्रेमिका की लाश जंगल में मिली

बीएससी फाइनल ईयर के दोनों स्टूडेंट ने खाया जहर, शादी के लिए युवती का परिवार नहीं था तैयार

रायगढ़ (ए)। रायगढ़ जिले के खरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम फरकानारा में प्रेमी जोड़े की लाश जंगल में मिली है। दोनों ने कीटनाशक खाकर अपनी जान दे दी। युवक-युवती बीएससी फाइनल ईयर के स्टूडेंट थे। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। मामला खरसिया थाना अंतर्गत जोबी चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम फरकानारा के डोमनारा का रहने वाला चंद्रशेखर राठिया (22 साल) का कुछ सालों से फरकानारा की रहने वाली जमुना राठिया (22 वर्ष) के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे। शादी के सपने देख रहे प्रेमी जोड़े ने घरवालों को भी अपने अफेयर की बात बताई थी। इस पर युवक के घरवाले युवती जमुना के घर दोनों के

रिश्ते की बात भी करने के लिए गए थे, लेकिन युवती के परिजनों ने बाद में बात करने की बात कहते हुए उन्हें टाल दिया। जिसके बाद दोनों प्रेमी जोड़े बहुत निराश हो गए। उन्हें लगा कि उन दोनों के रिश्ते से परिजन खुश नहीं हैं।

इसके बाद बुधवार तड़के 3 बजे युवक-युवती अपने घर से बहाना बनाकर निकले। वे पास के ही जंगल में गए और कीटनाशक दवा का सेवन कर अपनी जान दे दी। अगले दिन युवक-युवती घर नहीं लौटे, तो उन्हें ढूंढना शुरू किया। इस बीच मृतका का भाई गंगा कुमार राठिया अपने दोस्तों के साथ शौच करने जंगल की ओर गया था, जहां उसने बहन जमुना और युवक चंद्रशेखर की लाश देखी। इसके बाद मृतका के भाई ने गांववालों और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। मामले में परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(तृतीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र.137901/निविदा सूचना क्र.22/वलेलि/2023-24 दुर्ग, दिनांक 12/06/2023

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 26.06.2023 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम:- दुर्ग जिले के विकासखंड दुर्ग की खपरी मुख्य नहर के आर.डी. 6500 मी. से 9500 मी. तक सर्विस बैंक का डब्ल्यू.बी.एम. निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत :- रू. 168.49 लाख

(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 01.08.2014 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 16.06.2023 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग (छ.ग.)
कृते-अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मण्डल
दुर्ग (छ.ग.)

जी-02352/3

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

तेलांगाना के किसानों ने पुलगांव गौठान का किया अवलोकन

दुर्ग। तेलांगाना प्रदेश से छत्तीसगढ़ भ्रमण के लिए यहां पहुंचे हुए किसानों ने आज नगर निगम दुर्ग अंतर्गत पुलगॉव गौठान का अवलोकन किया। तेलंगाना के हैदराबाद जिला अंतर्गत गांव गुड़पाल के कृषक श्री तीनमारमल्लम के नेतृत्व में 400 किसानों के भ्रमण दल ने पुलगॉव गौठान देखकर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पशुओं के लिए की गई व्यवस्था और गौठानों को मल्टी एक्टिविटी सेंटर के रूप में विकसित करने के कार्य की काफी सराहना किए। किसानों ने यहां पर बकरीपालन, मुर्गीपालन, डेयरी व महिला स्व सहायता समूह द्वारा उत्पादित सामाग्रियों, गोबर पेंट आदि का अवलोकन किए। जिला पंचायत के सीईओ श्री अश्वनी देवांगन ने गौठान की अवधारणा से कृषकों को अवगत कराया। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर निगम आयुक्त श्री लोकेश चंद्राकर और गौठान से जुड़े संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल के 8283 विजेता खिलाड़ियों को वितरित की गई पुरस्कार राशि

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा अनुसार छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल प्रतियोगिता वर्ष 2022-23 में 14 खेलों के आयोजन में 0-18, 18-40, 40 से अधिक आयु वर्ग के महिला एवं पुरूष विजेता प्रतिभागियों को विकासखण्ड, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुरस्कार राशि प्रदान किया गया । कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देशानुसार संबंधित कुल 8283 विजेता खिलाड़ियों को 8624500 की पुरस्कार राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक विलियम लकड़ा ने बताया कि विकासखण्ड स्तर पर नगर पालिक निगम रिसाली, नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा, नगर पालिका निगम दुर्ग, नगर पालिका निगम भिलाई, जनपद पंचायत दुर्ग, जनपद पंचायत पाटन एवं जनपद पंचायत धमधा सहित प्रत्येक नगरीय निकाय के 1044 विजेता खिलाड़ी एवं प्रत्येक विकासखण्ड के 1044 विजेता खिलाड़ी शामिल है। इसी प्रकार जिला स्तर पर 348 विजेता खिलाड़ी तथा संभाग स्तर पर जिला राजनांदगांव के 146, खैरागढ़ के 80, मोहला मानपुर के 90, बालोद के 254, बेमेतरा के 105, कबीरधाम के 97 एवं दुर्ग के 247 विजेता खिलाड़ी शामिल है। राज्य स्तर पर दुर्ग जिले के 86 विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि का वितरण किया गया है।

पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म पुरस्कार के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रतितिष्ठत पद्म पुरस्कार श्रृंखला के तहत ''पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री'' पुरस्कारों के लिये वर्ष 2024 के लिये नामांकन प्रस्ताव निर्धारित पात्रता एवं मापदण्ड के अनुरूप योग्य एवं पात्र उम्मीदवारों को नामांकन एवं प्रोत्साहित करने हेतु ''पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री'' पुरस्कारों के लिये वर्ष 2024 हेतु नामांकन प्रस्ताव ऑनलाईन के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। पद्म पुरस्कार देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। इस पुरस्कार में ''उत्कृष्ठ कार्य'' करने वाले जैसे- कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामलों, नागरिक सेवा, व्यापार और उद्योग आदि में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों एवं सेवा के लिये प्रदाय किया जाता है, कोई भी व्यक्ति किसी जाति एवं व्यवसाय हैसियत या लिंग के भेदभाव के बिना इन पुरस्कारों के पात्र है। जिले के निर्धारित पात्रता एवं मापदंड के अनुरूप व्यक्ति ऑनलाईन नामांकन एवं सिफारिश का कार्य प्रारंभ हो गया है।

दुर्ग जिला ब्लड बैंक में विश्व रक्तदाता दिवस का आयोजन

12 सामाजिक संस्थाओं एवं कॉलेज को रक्तदान पर किया गया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 जून 2023 को विश्व रक्तदाता दिवस ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय दुर्ग में मनाया गया। इस वर्ष रक्तदाता दिवस का स्लोगन फ्रक्त दो, प्लाजमा दो, जीवन बाँटों, बार-बार बाँटोफ्र है। कार्यक्रम में रक्तसंग्रहण की सुविधा के लिये एवं रक्त की आपूर्ति निरंतर बनाये रखने के लिये पात्र रक्तदाताओं द्वारा नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान बनाये रखने के महत्व पर जोर दिया गया है जिससे सुरक्षित ब्लड ट्रांसफ्यूजन सुनिश्चित किया जा सके।

नोडल अधिकारी ब्लड डॉ. एस.के. जामगड़े द्वारा 12 स्वैच्छिक रक्तदाताओं एवं संस्थाओं का अभिनंदन कर मोम्नटों, प्रशस्तति पत्र एवं पुष्प् गुच्छ से सम्मानित किया गया। सम्मानित संस्थाओं में आईसीसीआई फाउंडेशन इनक्लूसीव ग्रोथ से. 06 भिलाई, संत निरकांरी चैरीटेबल फाउंडेशन दुर्ग, नव दृष्टि फा उंडेशन दुर्ग, समर्पित परिश्रमी समाजिक समिति दिशा दुर्ग, सी.आई.एस.एफ सेक्टर 01 उतई, भिलाई, श्री अग्रवाल यूथ क्लब दुर्ग, अथर्व कॉलेज भिलाई उतई दुर्ग, तेरापंथ युवक परिषद दुर्ग, शासकीय विश्वनाथ तामस्कर स्नात्कोत्तर कॉलेज दुर्ग, रूगंटा कॉलेज आर-1 दुर्ग, अपोलो कॉलेज अंजोरा दुर्ग एवं जे.सी.आई. दुर्ग छ.ग. शामिल है। ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय दुर्ग में आज आयोजित रक्तदान शिविर में नव दृष्टि फाउंडेशन दुर्ग के द्वारा कुल 95 यूनिट रक्तदान एवं बी.एस.एफ सेक्टर 07 के द्वारा बी.एस.एफ परिसर में कुल 42 यूनिट रक्तदान किया गया।

400 यूनिट से ज्यादा रक्तदान करने वाली संस्था संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन हुई सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन प्रतिवर्ष 24 अप्रैल के दिन विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन कर जिला चिकित्सालय दुर्ग को गरीब व जरूरतमंदो को रक्तदान करता है,चेरिटेबल फाउंडेशन के इस पुनीत कार्य को आज विश्व रक्तदाता दिवस पर ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय दुर्ग द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 जून 2023 को विश्व रक्तदाता दिवस ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय दुर्ग में मनाया गया। इस वर्ष रक्तदाता दिवस का स्लोगन ''रक्त दो, प्लाजमा दो, जीवन बाँटों, बार-बार बाँटों'' है। कार्यक्रम में रक्तसंग्रहण की सुविधा के लिये एवं रक्त की आपूर्ति निरंतर बनाये रखने के लिये पात्र रक्तदाताओं द्वारा नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान बनाये रखने के महत्व पर जोर दिया गया है। विश्व दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष 400 यूनिट से ज्यादा रक्तदान करने वाली संस्था संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन के दुर्ग संयोजक सतपाल सिंग सैनी व पूरी टीम को जिला चिकित्सालय के द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर संस्था का सम्मान किया।

संस्था के संयोजक सतपाल सैनी ने कहा कि निरंकारी बाबा हरदेव सिंग महाराज के कथन मानव का रक्त नालियो में नही मानव की रगों में बहना चाहिए इस कथनको चरितार्थ करते हुए संस्था द्वारा प्रतिवर्ष वर्ष में दो बार एवम जब भी दुर्ग चिकित्सालय को रक्त की आवश्यकता होती है रक्तदान किया जता है। मानव सेवा के इस कार्य मे हम हमेशा तत्पर है। आज इस सम्मान को प्राप्त करने चेरिटेबल फाउंडेशन के इंद्रजीत निरंकारी,सेवादल संचालक डॉ एस एल वर्मा,अशोक गोयल,दलजीत सिंह,शंकर सचदेव,धनुष सिन्हा,सुरेंद्र कौर उपस्थित थी।

लोक वाद्य कार्यशाला शिविर का दो दिवसीय समापन, मंत्री साहू ने कार्यशाला स्थापित करने सहयोग का दिया आश्वासन

पुरखों की परंपरा से अवगत कराने लोकवाद्य कार्यशाला बेहतर माध्यमः ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि युवा पीढ़ी की हमारे पुरखों की परंपरा से अवगत कराने लोक वाद्य की कार्यशाला एक बेहतर माध्यम है। मंत्री साहू बीती रात मरोदा में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं 'कुहूकी' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय लोक वाद्य कार्यशाला शिविर के समापन अवसर पर बोल रहे थे।

संयोजक और प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय द्वारा भिलाई स्टील प्लांट की जमीन होने की वजह से व्यवस्थित कार्यशाला की स्थापना में आ रही रुकावट से मंत्री साहू को अवगत कराया गया । इस पर कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि यह लोक वाद्य कार्यशाला स्थापित की जाएगी और छत्तीसगढ़ शासन की ओर से हर संभव सहयोग जरूर किया जाएगा।

इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह भी हुआ। आयोजन समिति की ओर से मंत्री ताम्रध्वज साहू व अन्य समस्त अतिथियों का स्वागत किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू के हाथों 10 दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित कलाकारों का सम्मान किया गया।

इनमें शिबो कश्यप कोंडागांव बेल मेटल, डौंडी लोहारा से दीपक तारम काष्ठ कला, डमरु चक्रधारी कोंडागांव कुम्हारपारा मिट्टी कला, पन्नालाल खैरागढ़ काष्ठ कला, रामदास लोहार बनियागांव कोंडागांव लौह शिल्प, बिजेलाल विश्वकर्मा राजनांदगांव काष्ठशिल्प, गायिका कंचन जोशी और गायक विवेक शर्मा का सम्मान किया गया।

आयोजन की अध्यक्षता कर रहे केशव बंछोर सभापति नगर निगम रिसाली ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि रिखी क्षत्रिय लोककला के संरक्षण की दिशा में विशिष्ट योगदान दे रहे हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि सनीर साहू पार्षद एवं महापौर परिषद सदस्य नगर निगम रिशाली व एल्डरमैन श्रीमती संध्या वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस दौरान रिंकी देवांगन, दुष्यंत हरमुख और ईश्वर पटेल द्वारा लोकगीत एवं लोक नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। इसी तरह विवेक शर्मा, कंचन जोशी, क्रांति,कार्तिक ओपी देवांगन एवं गीतांजलि साहू द्वारा लोकगीत एवं लोकरंग की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। जिसे उपस्थित अतिथियों ने बेहद सराहा। आयोजक रिखी क्षत्रिय, अन्नपूर्णा क्षत्रिय, कुहूकी एवं लोक रागिनी परिवार ने अतिथियों और कला प्रेमियों की उपस्थिति के लिए आभार जताया।

आज से शिविर रिसाली टाउनशिप मेंः पहले दिन 244 लोगों ने बनाया आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। ऐसे नागरिक शिविर तक पहुंच रहे है जिनको आयुष्मान योजना का लाभ नही मिल रहा है। बुधवार को लगाए गए शिविर में 244 ने आयुष्मान कार्ड बनवाया। आयुक्त आशीष देवांगन के निर्देश पर घनी आबादी वाले क्षेत्र में डोर टू डोर सर्वे भी कराया जा रहा है।

अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिले इसके लिए आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। कार्ड बनाने पार्षद की मदद से निर्धारित स्थान पर शिविर लगाया जा रहा है। खास बात यह है कि शिविर में नया राशन कार्ड या नाम जोड़ने और विलोपित करने वाले हितग्राहियों की सूची बनाई जा रही है। निगम महापौर शशि सिन्हा ने नागरिकों से अपील की है कि नागरिक योजना का लाभ उठाए। इसके लिए उन्होंने पार्षदों से भी कहा है कि वे आम नागरिकों को कार्ड बनाने प्रेरित करे।

वार्ड 06 रूआबांधा सेक्टर प्राइमरी स्कूल, वार्ड 07 रिसाली सेक्टर पूर्व शिव मंदिर, वार्ड 08 रिसाली सेक्टर पश्चिम रिसाली क्लब हाउस, वार्ड 09 डीपीएस रिसाली सेक्टर रावण मैदान के पास, वार्ड 10 दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर दशहरा मैदान।

शारदा पारा के कुष्ठ कॉलोनी में भिलाई निगम ने आधार सेवा के लिए लगाया शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत आशादीप कुष्ठ कॉलोनी शारदा पारा वार्ड क्रमांक 23 में प्रातः 10:00 से 5:00 तक आधार के लिए शिविर का आयोजन भिलाई निगम के द्वारा किया गया। जिसमें कुष्ठ पीड़ित लोगों का आधार अपडेट किया गया। 10 वर्ष पुराने आधार का अपडेट कराना अत्यंत आवश्यक है। जिसको देखते हुए भिलाई निगम के द्वारा शिविर का आयोजन विभिन्न वार्ड क्षेत्रों में किया जा चुका है।

इसी कड़ी में लोगों को सुविधाएं देने के लिए कुष्ठ बस्ती में भी शिविर का आयोजन किया गया। आज के समय में आधार अपडेट कराना अत्यंत आवश्यक है। जरूरी सेवाओं का लाभ लेने के लिए तथा शासकीय योजनाओं में भी आधार कार्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आधार एक पहचान के रूप में भी उपयोग किया जा रहा है। आधार में नाम सुधारवाने, मोबाइल अपडेट करवाने, जन्मतिथि अपडेट कराने तथा पता अपडेट कराने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सभी कुष्ठ पीड़ित लोगों के आधार अपडेट किए गए। नगर पालिक निगम भिलाई अपील करता है कि आधार अपडेट करवाने के लिए नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय के अलावा निगम के समस्त जोन कार्यालय जोन क्रमांक एक नेहरू नगर, जोन क्रमांक 2 वैशाली नगर, जोन क्रमांक 3 मदर टैरेसा नगर, जोन क्रमांक 4 खुर्सीपार तथा जोन क्रमांक 5 सेक्टर 6 कार्यालय में भी आधार कार्ड अपडेट कराया जा सकता है।

शासन की योजनाओं से जुड़कर आर्थिक स्वालंबन की ओर महिला समूहों के बढ़ते कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिलाओं को सशक्त बनाने स्वास्थ्य-शिक्षा के साथ-साथ उन्हें व्यावसायिक अवसर देने, उन्हें आर्थिक रूप से संपन्न बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाने व उनके स्वावलंबन की नीति अपनाई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर महिलाओं की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के साथ उनकी सृजन क्षमता को स्थानीय संसाधनों के साथ जोड़ा गया है। गौठानों में स्व सहायता समूह की महिलाएं विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत महिलाओं को समूह के रूप में गठित कर रोजगार से जोड़े जाने की अति महत्वाकांक्षी योजना है। महिलाएं समूह से जुड़ कर सफलता की नयी कहानियां लिख रहीं है, तथा अपने सपने का पंख दे कर नयी उड़ान के लिए तैयार है। इसी कड़ी में महमरा में मॉ परमेश्वरी स्व सहायता समूह द्वारा मसाला उद्योग का संचालन किया जा रहा है।

जिसमें हल्दी, धनिया, मिर्च, गरम मसाला, बेसन के साथ खड़ा जीरा व सरसों का उत्पादन किया जा रहा है। स्व सहायता समूह की महिलाएं एक साल में एक लाख रुपये तक का मसाला निर्माण कर बेच चुकी हैं। स्व सहायता समूह द्वारा सी-मार्ट, छात्रावास, लोकल मार्केट, हाट बाजार, सुपर मार्ट अलावा समय-समय पर होने वाले उत्सव मेला, गोठान मेला, सरस मेला में विक्रय किया जाता है, गत तीन साल से यह कार्य किया जा रहा है।

मॉ परमेश्वरी स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बिहान योजना के अंतर्गत स्व सहायता समूह की महिलाओं को बहुत लाभ हुआ। उन्होंने बताया कि वे अर्जित आय से कर्ज चुका रही है तथा गोठान के गतिविधियों के माध्यम से अतिरिक्त आय प्राप्त होने से जरूरत एवं अन्य सुविधाएं जुटाने में सहायता मिल रही है।

इस्पात नगरी में डेंगू की रोकथाम के लिए अभियान प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की इस्पात नगरी में मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू आदि की रोकथाम के लिए 13 जून, 2023 से सघन अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इस अभियान के तहत इस्पात नगरी के आवासों का सर्वे, निरीक्षण और दवाओं का वितरण, छिड़काव और विषेष रूप से फॉगिंग का अभियान शुरू किया गया है।

संयंत्र के नगर सेवा विभाग के पीएचडी अनुभाग द्वारा 7 टीमों द्वारा आज सेक्टर-4 में 845 घरों का निरीक्षण किया गया। जिसमें कूलर और विभिन्न रखे हुए बर्तन, ड्रम, टंकियां आदि का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में 43 स्थानों पर लार्वा पाया गया है। इस सर्वे के साथ जल एकत्र होने वाले स्थानों की सफाई, दवाओं का छिड़काव और टेमीफॉस दवा का वितरण भी किया जा रहा है। मच्छरजनित रोग की संभावना को ध्यान में रखते हुए संयंत्र ने यह अभियान प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत आने वाले दिनों में सर्वे करने वाली 7 टीमों की संख्या को क्रमषः बढ़ाया जाएगा और अभियान को और मजबूती प्रदान की जाएगी।

छत्तीसगढ़ शासन के मलेरिया विभाग, दुर्ग से भुगतान के आधार पर प्राप्त 48 ब्रीडिंग चेकर्स के माध्यम से 13 जून से वृहद सर्वेक्षण एवं जागरूकता अभियान आरंभ किया गया है। इस अभियान के तहत ब्रीडिंग चेकर्स द्वारा टाउनशिप के प्रत्येक आवास सहित सभी दुकानों एवं भवनों में जाकर ऐसे स्थल जहां मच्छर पनप सकते है, जैसे पशुओं एवं पक्षियों के लिए रखे पानी के पात्र, कूलर, पुराने टायर, नारियल के खोल, पुराने बर्तन, पानी की टंकिया तथा अन्य जल-पान व जल जमाव के अन्य स्थानों का निरीक्षण कर मच्छरों के लार्वा विनिष्टीकरण के साथ ही निरोधक उपायों हेतु लोगों को जागरूक करने जानकारीयुक्त पाम्पलेट एवं निःशुल्क लार्वानाशी (टेमीफेस) का वितरण किया जा रहा है। इसके साथ ही मच्छरों के संख्या पर नियंत्रण हेतु नियमित रूप से ऐसे स्थान जहां पानी एकत्र होता है, को नाली बनाकर खाली करने के साथ ही रुके पानी पर आयलिंग का कार्य आरंभ किया गया है। ताकि मच्छर को प्रारंभिक अवस्था में ही समाप्त कर मच्छरों की संख्या पर नियंत्रण रखा जा सके। उल्लेखनीय है कि मच्छरों की संख्या पर नियंत्रण हमेशा जन सहयोग से ही सफल एवं कारगर होता है। घर के अंदर पैदा हो रहे मच्छर पर बाहर का कोई व्यक्ति कितना भी प्रयत्न कर ले, प्रयास तब तक अधूरा है जब तक वहां के रहवासियों का पूर्ण सहयोग ना मिले। इसके साथ ही वेहिकल माउंटेड थर्मल फागिंग मशीन द्वारा पूरे टाउनशिप में फागिंग ऑपरेशन आरंभ किया गया है।

दिनांक 06 जून 2023 से आरंभ किया गया यह फॉगिंग ऑपरेशन सम्पूर्ण टाउनशिप को पूरा किये जाने तक जारी रहेगा। इसके अलावा कार्यक्रम के अनुसार बैकलेन एवं घरों में कीटनाशकों का छिड़काव नियमित रूप से किया जा रहा है। जनस्वास्थ विभाग, भिलाई की प्रबुद्ध जनता से यह अपील करता है कि, मच्छर नियंत्रण हेतु व्यक्तिगत स्तर पर किये जा सकने वाले उपाय जैसे कूलर एवं पानी की टंकियों को प्रति सप्ताह एक बार पूरी तरह खाली करना, खाली पड़े बर्तनों, पुराने टायरों में पानी का जमाव ना होने देना, रुके हुए पानी जिसे खाली करना संभव ना हो उस पर किसी भी प्रकार के तेल की कुछ बुँदे डालने एवं मच्छरदानी का नियमित उपयोग कर डेंगु एवं मच्छरों से होने वाले बीमारियों के रोकथाम में सहयोग करेंगे।

बीएसपी के जेएनएल चिकित्सालय में रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) के अवसर पर सेक्टर-9 स्थित, जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र में रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें संयंत्र की 10 महिला कार्मिकों सहित कुल 62 रक्दाताओं ने रक्त दान किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ रविन्द्रनाथ एम द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) श्री तरुण कनरार उपस्थित रहे। इसके अलावा इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ प्रमोद बिनायके, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ राजीव कुमार पाल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ के ठाकुर सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग से अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वल्लन के साथ किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि डॉ अशोक कुमार पंडा सहित डॉ रविन्द्रनाथ एम तथा तरुण कनरार ने रक्तदान कर कार्यक्रम को गति दी। कार्यक्रम का उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। यह एक दर्द रहित प्रक्रिया है, जो किसी का जीवन बचा सकती है। एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। इसकी शुरुवात विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2004 में की थी, तब से 14 जून को रक्तदाता दिवस मनाया जाता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950